www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 254 • ठाणे, मंगलवार 16 जून, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

करियर की शुरुआत में माधुरी को भी सुनने पड़े थे ताने

पेज 8

दीप्ति ने रचा इतिहास

8 पेज

सुप्रभात

जब तक मनुष्य के मन में काम, क्रोध, अहंकार और लोभ की अल्प मात्रा भी शेष रहती है, तब तक पंडित और मूर्ख दोनों एक समान होते हैं। - **कबीर**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (16 जून) 7:17 बजे, सूर्योदय (17 जून) 6:01बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (हल्की बारिश।)**

शॉर्ट स्टोरी

मानी पीएम की बात, नहीं खरीदा सोना

हिंदमाता नेटवर्क @ वर्धा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेशी मुद्रा बचाने और अनावश्यक सोने की खरीदारी टालने की अपील से प्रेरित होकर महाराष्ट्र के वर्धा जिले के एक परिवार ने अपने बेटे की शादी में नया सोना नहीं खरीदने का फैसला किया है। परिवार पुराने मंगलसूत्र को पॉलिश कर बहू को देने जा रहा है। वर्धा के पुलगांव में पूजा सामग्री का व्यवसाय करने वाले सतीश गौरीशंकर चौबे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बताया कि 1 जुलाई को बेटे यश की शादी में सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। उनकी पत्नी सीमा चौबे ने अपना मंगलसूत्र नया रूप देकर बहू को देने का फैसला किया। यह परिवार राजस्थान के झुंझुनू से महाराष्ट्र आकर बसा है।

25 गांवों ने मादक पदार्थों पर लगाया प्रतिबंध

हिंदमाता नेटवर्क @ गडचिरोली

अनुसूचित क्षेत्र की ग्रामसभाओं को संविधान, पेसा अधिनियम 1996 तथा स्थानीय परंपराओं एवं स्वशासन के सिद्धांतों के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए धानोरा तहसील के झाड़ापापड़ा पारंपरिक इलाका महाग्रामसभा के अंतर्गत आने वाले गांवों ने शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन से सहयोग की मांग करते हुए पेंढरी उप-पुलिस थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया। कुल 25 ग्रामसभाओं की ओर से मादक पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

विपक्ष को तय करना होगा पीएम का चेहरा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राऊत ने इंडिया गठबंधन को सलाह दी कि प्रधानमंत्री के पद के लिए एक स्पष्ट चेहरा घोषित करना होगा। मैदान में जाने पर जनता यही सवाल करेगी कि तुम्हारे प्रधानमंत्री का चेहरा कौन है, इसलिए पहले एक चेहरे का चयन कर उसे सामने रखकर आगे बढ़ना जरूरी है। राऊत ने तृणमूल कांग्रेस में बिखराव पर साफ शब्दों में कहा कि ममता बनर्जी का धड़ा असली टीएमसी है। उन्होंने बागियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जिन्होंने पार्टी छोड़कर छोटी-सी त्रिपुरा की पार्टी का दामन थामा, वे भाजपा की असली सच्चाई समझेंगे जब उन्हें किनारे कर दिया जाएगा। इन्हें अमित शाह ने वजूद बचाने में लगी पार्टी में धकेल दिया है।

अमेजन इंडिया के विज्ञापन पर बढ़ा विवाद

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

ई कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया अपनी अमेजन नाऊ सेवा के एक नए विज्ञापन को लेकर कानूनी पचड़े में फंस गई है। हिंदू जनजागृति समिति और कई अधिवक्ताओं ने इस विज्ञापन पर कड़ा एतराज जताया है। उनका आरोप है कि विज्ञापन में भारत के महान खगोलशास्त्री और गणितज्ञ आर्यभट्ट की छवि को बेहद मजाकिया और व्यंग्यात्मक तरीके से दिखाया गया है। विरोध करने वालों का कहना है कि व्यावसायिक फायदे के लिए भारत की प्राचीन वैज्ञानिक परंपरा और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक का इस तरह उपहास उड़ाना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमेरिका-ईरान की जंग पर लगा पूर्ण विराम!

शांति समझौते का ऐलान

- इजराइल का यूएस-ईरान शांति समझौते को मानने से इनकार
- 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान/ वाशिंगटन डीसी

आखिरकार अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने और होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने पर समझौता हो गया है। दोनों ही देश पिछले चार महीने से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने पर सहमत हो गए हैं। जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को टोल-मुक्त खोलने मंजूरी दे दी है और अमेरिकी नौसैनिक द्वारा लगाए गए ब्लॉकेड (नाकेबंदी) को तुरंत हटाने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। हालांकि इजराइल ने इस शांति समझौते को मानने से इंकार कर दिया है। इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्वीर ने पीस डील पर नाराजगी जताते हुए कहा, हम अमेरिका के गुलाम नहीं है। इजराइल एक आजाद देश हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह समझौता इजराइल पर लागू नहीं होता। ऐसे में इजराइल के इस अड़ियल रुख से फिलहाल जंग का खतरा बरकरार है।

19 जून को जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे

इस समझौते के मुख्य मध्यस्थ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बताया कि अमेरिका-ईरान 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में पीस डील पर दस्तखत करेंगे। अगर ऐसा होता है तो 47 साल में तेहरान और वॉशिंगटन के बीच यह पहली हाई लेवल बैठक होगी। इससे बीते कई महीनों से जारी उस युद्ध को खत्म करने का रास्ता मिल सकता है जिसके चलते पूरे पश्चिम एशिया में हजारों लोग मारे गए- जिनमें ईरान के धार्मिक शासन के शीर्ष नेता और यूएस-इजरायल के हमलों में मिनाब के एक स्कूल में मारे गए सैकड़ों लोग शामिल थे। इस युद्ध ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक ऐतिहासिक ऊर्जा संकट को भी जन्म दिया है।

सबसे पहले पाकिस्तान ने की घोषणा

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने सबसे पहले इस समझौते की घोषणा की। इसे लेकर प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा, दोनों पक्षों ने लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों की तत्काल और स्थायी समाप्ति की घोषणा की है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि इजराइल, जो अमेरिका पर निर्भर है, लेकिन 2023 से इस इलाके में कई युद्ध लड़ चुका है, इन शर्तों के लिए राजी हुआ है या नहीं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स से बातचीत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बहुत मुश्किल इंसान बताया। ट्रंप ने कहा, और सच कहूं तो, ऐसा करने के लिए उन्हें हमारा बहुत शुक्रगुजार होना चाहिए, क्योंकि अगर ईरान के पास परमाणु हथियार होता, तो इजराइल दो घंटे भी नहीं टिक पाता।

समझौते के मसौदे में 14 बिंदु शामिल

ईरान की मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, इस समझौते के मसौदे में 14 बिंदु शामिल हैं। अल जजीरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें लेबनान समेत सभी मोर्चों पर लड़ाई को तत्काल और हमेशा के लिए रोकने, 30 दिनों के भीतर नौसैनिक नाकेबंदी पूरी तरह हटाने, ईरान के आसपास से अमेरिकी सेना को हटाने के अमेरिकी वादे और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने जैसी बातें शामिल हैं। मसौदे में ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को हटाने का भी जिक्र है। हालांकि अल जजीरा, मेहर की इन जानकारियों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर पाया है। ऐसा लगता है कि इस समझौते के तहत ईरान के संवर्धित यूरेनियम और उसके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मामले को सुलझाने के लिए सिर्फ 60 दिन का समय दिया गया है।

27 लाख बेघर और 1.12 ट्रिलियन डॉलर खर्च!

क्या आपको याद है 28 फरवरी 2026 की वो सुबह, जब अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर अचानक हमले शुरू कर दिए थे? उस दिन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे बड़ी तेल शक्तियों में से एक ने एक-दूसरे को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अब यह जंग 15 जून 2026 को शांति समझौते के साथ खत्म हुई। ठीक 107 दिन बाद, लेकिन इन साढ़े तीन महीनों में जो कुछ हुआ, उसने दुनिया का सांस लेना भी मुश्किल कर दिया। जंग के बाद जून 2026 में अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसियों ने एक अनुमान लगाया कि कुल 2,211 लोग मारे गए थे और 22,000 से ज्यादा जख्मी हुए, लेकिन सबसे बड़ा तो यह है कि ईरान के अंदर 3.9 मिलियन (39 लाख) लोग बेघर हो गए। अमेरिका-ईरान जंग में मौत के आंकड़ों पर अलग-अलग वेबसाइट्स की राय भी अलग है। ईरान कॉस्ट टिकर के मुताबिक, 5 हजार से ज्यादा ईरानी सैनिक और 1,508 ईरानी नागरिक मारे गए, जबकि 21 हजार से ज्यादा लोग बेघर हुए। अमेरिका अब तक 1.12 ट्रिलियन डॉलर खर्च कर चुका है। इस जंग ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हर साल 2.2 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 2.3 मिलियन करोड़ रुपए) का नुकसान पहुंचाया है। अगर समझौता नहीं होता और युद्ध जारी रहता, तो यह नुकसान और भी बढ़कर 3.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाता।

मॉनसून सत्र से पहले शिंदे की शिवसेना में शामिल होंगे ठाकरे के सात सांसद?

जल्द दिखेगा ऑपरेशन टाइगर?

- पार्टियों को तोड़कर परिसीमन बिल पास कराना चाहती है भाजपा : जयंत पाटील

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में राजनीतिक अटकलें तेज हो चुकी है कि उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना यूबीटी के 7 लोकसभा सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने वाले हैं। इन चर्चाओं के बीच शिवसेना शिंदे के नेता और पूर्व सांसद एवं एमएलसी कृपाल तुमाने ने बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि मॉनसून सेशन से पहले एकनाथ शिंदे की शिवसेना पार्टी में 7 सांसदों का प्रवेश जल्द होगा। कृपाल तुमाने ने कहा है कि लोगों को ऑपरेशन टाइगर जल्द दिखेगा। राज्य में सांसदों के ऑपरेशन टाइगर के बाद ऑपरेशन टाइगर विधायक भी होगा। 16 विधायक एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं। इस बीएनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटील ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा केंद्र सरकार प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया के लिए पर्याप्त समर्थन जुटाने के लिए राजनीतिक दलों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। सरकार किसी भी कीमत पर यह बिल पास कराना चाहती है। इसलिए हर पार्टी में हेर-फेर किया जा रहा है और ज्यादा से ज्यादा सांसद इकट्ठा करने की कोशिश हो रही है।

कंफर्म करें कहीं नहीं जा रहे

शिवसेना (यूबीटी) के पांच सांसद जो मीटिंग में नहीं पहुंचे थे उनमें ओमप्रकाश राजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे, नागेश पाटील आष्टीकर, संजय देशमुख और संजय जाधव शामिल हैं। शिवसेना यूबीटी पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने इन्हीं सांसदों को संबोधित किया है। उन्होंने कहा कि आपकी अनुपस्थिति के जो निजी कारण आपने बताए, वे सही हैं। लेकिन हमारे पांच सांसदों के व्यक्तिगत रूप से मौजूद न होने से गलत असर पड़ता है। इसलिए, आप अभी जहां भी हैं, कृपया प्रेस के लिए एक औपचारिक बयान जारी करें।

जल्द ही ऑपरेशन टाइगर होगा

कृपाल तुमाने ने कहा कि शिवसेना शिंदे का ऑपरेशन टाइगर जल्दी लोगों को दिखेगा। जिस तरीके से ऑपरेशन से पहले पूरी जांच की जाती है, उसी तरीके से ऑपरेशन टाइगर से पहले सभी इन्वेस्टिगेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और जल्द ही ऑपरेशन टाइगर हो जाएगा। इसके मुख्य डॉक्टर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री डॉक्टर एकनाथ शिंदे जी हैं। उद्धव ठाकरे ने कल जो बैठक बुलाई थी उसमें से पांच सांसद नदारद थे। दो सांसद जो वहां पर थे वह शिंदे जी के संपर्क में हैं।

मुनगंटीवार बोले- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही रहेंगे

शिंदे के दोबारा मुख्यमंत्री बनने की इन तेज होती अटकलों पर भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और कैबिनेट मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने पूर्णविराम लगाते हुए कड़ा रुख अपनाया है। मुनगंटीवार ने दो टूक कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हैं और वही आगे भी रहेंगे।

कब दल बदलेंगे सांसद?

कृपाल तुमाने ने कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी के 7 सांसद उनके संपर्क में है। उनसे सभी बातचीत हो चुकी है एवं मॉनसून सत्र से पहले इन तमाम सांसदों का दिल्ली में शिवसेना शिंदे में प्रवेश सफलतापूर्वक हो जाएगा। सभी सांसद विधायक चाहते हैं कि उनके क्षेत्र में विकास होना चाहिए और एकनाथ शिंदे की पार्टी विकास की राह पर चल रही है। तमाम शिवसेना के विधायक और सांसदों के कार्य क्षेत्र में विकास हो रहा है, इसलिए 7 सांसदों के साथ-साथ 16 विधायकों ने भी शिवसेना में मिलने के लिए इच्छा जाहिर की है।

16 विधायक भी संपर्क में

कृपाल तुमाने ने कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी के 20 में से 16 विधायक भी उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जी के संपर्क में है। इन 16 विधायकों का भी शिवसेना शिंदे की पार्टी में महाराष्ट्र के मॉनसून सत्र के बाद प्रवेश हो जाएगा। 7 सांसदों का प्रवेश निश्चित है एवं उसके बाद जल्द इन 16 विधायकों का भी प्रवेश शिवसेना शिंदे में होगा। फिलहाल 7 सांसद हमारे संपर्क में हैं। 2 सांसद ऐसे हैं, उनकी इच्छा नहीं है। हो सकता है कि आने वाले समय में उन दोनों सांसदों का भी मन परिवर्तन हो जाए। यह तमाम सांसद और विधायक खुद शिंदे जी के संपर्क में आए। वह अपना भविष्य तलाश रहे हैं।

बीजेपी का इससे कोई लेना-देना नही

शिवसेना यूबीटी सांसदों के अलग समूह बनाने पर बीजेपी नेता रावसाहेब दानवे ने कहा कि ठाकरे की शिवसेना में बनने वाला यह समूह अलग अस्तित्व रखेगा या शिंदे गुट में जाएगा, इसका फैसला वे नेता खुद करेंगे, इससे भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है।

ऑपरेशन 'डिलिमिटेशन' का खेल

पश्चिम बंगाल से महाराष्ट्र तक चल रही राजनीतिक उठापटक को सोशल मीडिया पर एक सीनियर पत्रकार ने एक नया नाम दिया है, ऑपरेशन 'डिलिमिटेशन'। नाम देने की वजह भी समझी जा सकती है। जो कुछ भी हो रहा है, वह मॉनसून सेशन में एनडीए के लिए मददगार साबित होने वाला है। काकोली घोष दस्तीदार ने तो बोल ही दिया है कि वे लोग संसद में एनडीए का सपोर्ट करने वाले हैं। बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार की तरफ से संसद के मॉनसून सत्र में फिर से परिसीमन बिल लाए जाने की तैयारी है। विधानसभा चुनावों के बीच सरकार की तरफ से लाया गया 131वां संविधान संशोधन विधेयक जरूरी नंबर के अभाव में गिर गया था। अब अगर अलग अलग दलों से निकलकर सांसद एनडीए के समर्थन में आ जाते हैं, और दो-तिहाई बहुमत जुट जाता है तो परिसीमन बिल पास हो जाएगा - और इसी कारण एक नया नाम ऑपरेशन 'डिलिमिटेशन' दिया गया है।

निशाने पर अगला नंबर किसका?

पिछले संसद सत्र में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए कानून में संशोधन और परिसीमन विधेयक के समर्थन में 298 मत पड़े थे, जबकि विरोध में 230 वोट पड़े थे। 20 सांसदों का समर्थन से एनडीए का एक संभावित नंबर 312 तक पहुंचा माना जा रहा है। अब अगर उद्धव ठाकरे की बैठक से गायब 5 सांसद भी मिल जाते हैं, तो यह नंबर 317 पहुंच सकता है। लेकिन दो-तिहाई वाला जादुई नंबर तो अभी काफी दूर है। 3 सीटें खाली होने के कारण सदन की संख्या 540 है, ऐसे में दो-तिहाई बहुमत के लिए 362 की जगह 360 सदस्यों के वोट की ही जरूरत होगी। जो हालात हैं, ऑपरेशन 'डिलिमिटेशन' के निशाने पर अगला नंबर किसका है, हर नजर उसी पर टिकी है।

संदेहों के बवंडर में अभिनेत्री संचिता की खुदकुशी

नालासोपारा स्थित घर में मिला शव, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

मयंक रावत @ नालासोपारा

टीवी और फिल्म जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। अभिनेत्री संचिता उगले (22) का निधन हो गया है। उनका शव नालासोपारा पूर्व के अचोले गांव स्थित साईं संतोषी बिल्डिंग में उनके घर से बरामद हुआ। घटना के बाद मनोरंजन जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस के अनुसार, घटना 14 जून की शाम करीब 7 बजे से 7:30 बजे के बीच हुई। सूचना मिलने पर परिवार के सदस्य और स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत वसई-विरार महानगरपालिका अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही अचोले पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता मच्छिंद्र उगले की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 194 के तहत आकस्मिक मृत्यु (एडीआर) का मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

टीवी इंडस्ट्री में बना रही थीं पहचान

संचिता उगले ने कम समय में टीवी इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता जी टीवी के चर्चित धारावाहिक 'कुमकुम भाग्य' में दिया टंडन के किरदार से मिली। यह भूमिका उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। उन्होंने 'वागले की दुनिया' में रुचिता जेटली का किरदार भी निभाया। इसके अलावा दंगल टीवी के शो 'दिलवाली दूल्हा ले जाएगी' में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।

दुबई और तुर्किए में सलीम डोला की ड्रग मनी का निवेश

पाप की कमाई से सौ करोड़ की संपत्ति बनाई

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच का मानना है कि फरार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी माने जाने वाला कुख्यात ड्रग तस्कर सलीम डोला ने तुर्किए और दुबई में व्यापक संपत्तियां बनाई हैं। पूछताछ में वह जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। एनसीबी द्वारा तुर्किए से पकड़ कर लाए जाने के बाद क्राइम ब्रांच की विभिन्न इकाइयां उससे कई मामलों में पूछताछ कर रही हैं। जांच में पाया गया कि कोविड-19 के बाद डोला ने मुंबई में अपने कथित ड्रग तस्करी नेटवर्क का विस्तार किया। वह तुर्किए में 'अयहान शेख' नाम की फर्जी पहचान से रह रहा था और वहीं से बड़े ड्रग नेटवर्क का संचालन कर रहा था। एजेंसियों का अनुमान है कि ड्रग तस्करी से अर्जित धन से दुबई और तुर्किए में लगभग 100 करोड़ रुपए के निवेश हुए हैं।

सांगली फैक्ट्री और सप्लाई चेन के खुलासे

डोला ने पूछताछ के दौरान सांगली में संचालित एक बड़े सिंथेटिक ड्रग निर्माण केंद्र के बारे में जानकारी दी, जिसमें एमडी (मेफेड्रोन) की लगभग 20 खेप तैयार कर देश भर में भेजी गई थीं। क्राइम ब्रांच अब उसकी दी हुई जानकारी का सत्यापन कर रही है और पूरे नेटवर्क की सप्लाई चेन, वितरण प्रणाली व वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है।

दाऊद से संबंध और आगे की कार्रवाई

डोला ने दावा किया कि उनका नेटवर्क दाऊद इब्राहिम और उसके सिंडिकेट से जुड़ा था, हालांकि जांचकर्ता इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि कर रहे हैं। यूनिट-3 अंधेरी डोला की कथित भूमिका से जुड़ा साजिद इलेक्ट्रिकवाला के अपहरण और जबरन वसूली मामले की भी अलग जांच कर रही है। डोला की पुलिस हिरासत समाप्त होने के बाद उसे अदालत में पेश किया जाएगा और आगे की पूछताछ अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, विदेशों की संपत्तियों व वित्तीय लेन-देन के बारे में अहम खुलासे कर सकती है।

चांटा लगा... चलो दिल्ली!

जयपुर थप्पड़कांड के बाद सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके का 20 जून को 'दिल्ली चलो' का नारा

हिंदमाता नेटवर्क @ जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके के साथ मारपीट का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें भीड़ के बीच एक युवक अभिजीत दीपके को थप्पड़ मारता और उनका गमछा खींचता नजर आ रहा है। घटना के तुरंत बाद मुस्तैद पुलिस और वहां मौजूद समर्थकों ने आरोपी युवक को दबोच कर हिरासत में ले लिया।

हिंसा का जवाब हिंसा से नहीं

इस हमले के बाद भी अभिजीत दीपके के हौसले पस्त नहीं हुए और उन्होंने मंच से विरोधियों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे हिंसा का जवाब कभी हिंसा से नहीं देंगे क्योंकि कायर लोग ही इस तरह की हरकतों का सहारा लेते हैं। उन्होंने इस घटना को छात्रों की खुदकुशी, बेरोजगारी और ठएएळ पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों से आम जनता का ध्यान भटकाने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया।

'दिल्ली चलो' आंदोलन का शंखनाद

इसके साथ ही उन्होंने सरकार को खुली चुनौती देते हुए 'दिल्ली चलो' का नारा बुलंद किया है। पार्टी ने आगामी 20 जून को देश भर के युवाओं के साथ दिल्ली कूच करने का फैसला किया है। दीपके ने मंच से ऐलान किया कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक यह आंदोलन दिल्ली में जारी रहेगा और देश का युवा वहां से पीछे नहीं हटेगा।

हिंदमाता एंकर: देश की लगभग 20% आबादी कोई न कोई नशा करती है, इनमें सबसे आम शराब है, बीते कुछ सालों में बदला पैटर्न, अब न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस का नशा छाया

शराब और सिगरेट नहीं, अब न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंसेज के नए नशे की चपेट में देश के युवा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश के युवाओं में सिगरेट और शराब की लत पहले से ही एक बड़ी समस्या रही है और उनके बीच अब एक नए तरह के नशे का चलन बढ़ रहा है। इसको न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस (एनपीएस) कहा जाता है। शहरी इलाकों और बड़ी- बड़ी पार्टियों में इसका इस्तेमाल ज्यादा किया जा रहा है। कई युवाओं को लगता है कि शराब या सिगरेट की तुलना में यह ज्यादा आनंद देता है और सेहत के लिए खतरनाक भी नहीं है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ये सेहत के लिए बहुत बड़ा खतरा है। कुछ मामलों में तो ये मौत का कारण तक बन सकता है।

नशे की चपेट में 20% आबादी

राष्ट्रीय मादक पदार्थ सेवन सर्वेक्षण की साल 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश की लगभग 20% आबादी कोई न कोई नशा करती है। इनमें सबसे आम शराब है। इसके बाद भांग और अफीम का नंबर आता है, हालांकि बीते कुछ सालों में ये पैटर्न काफी बदला है।

अब न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस का नशा करने वाले भी बढ़ रहे हैं। इसके बारे में दिल्ली एम्स के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर और मनोरोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. यतन पाल सिंह बलहारा ने आगाह किया है।

क्या होता है न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस?

प्रोफेसर डॉ. यतन पाल सिंह बलहारा बताते हैं कि बीते कुछ सालों में न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस का नशा करने वालों की संख्या बढ़ गई है। ओपीडी में भी इस तरह के केस अब ज्यादा आ रहे हैं। डॉ. बलहारा बताते हैं कि न्यू साइकोएक्टिव सब्सटेंस एक तरह के सिंथेटिक ड्रग्स होते हैं। इनको कई तरह के केमिकल्स की मदद से लैब में तैयार किया जाता है। इनका नशा कोकिन या गांजे जैसा हो सकता है, लेकिन इनमें केमिकल्स का काफी इस्तेमाल किया जाता है। ये दिखने में कैप्सूल और पाउडर जैसे होते हैं।

जानलेवा साबित हो सकती है अधिक डोज

डॉ बलहारा के मुताबिक, युवाओं को यह भ्रम होता है कि इस नशे से ज्यादा आनंद मिलता है और शरीर को नुकसान नहीं होता, लेकिन ऐसा नहीं है। ये बहुत खतरनाक है। इससे काफी नुकसान हो सकता है. हार्ट बीट के अचानक बढ़ने से लेकर हाई बीपी तक का रिस्क हो सकता है। अधिक डोज जानलेवा भी साबित हो सकती है, लेकिन फिर भी इसका चलन बढ़ रहा है। कई युवाओं में इसकी लत भी देखी जा रही है।

रेलवे ने पोर्टर, पार्किंग शुल्क सार्वजनिक किए

● सेंट्रल रेलवे की इस पहल से यात्रियों को मिलेगी राहत, वेटिंग हॉल शुल्क भी सार्वजनिक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

रेल यात्रियों को राहत देते हुए सेंट्रल रेलवे ने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं के आधिकारिक शुल्क फिक्स कर उन्हें सार्वजनिक कर दिए हैं। इसके तहत पोर्टर सेवा, पार्किंग और एसी वेटिंग हॉल के रेट तय किए गए हैं, ताकि यात्रियों से अधिक शुल्क वसूले जाने पर रोक लगाई जा सके। साथ ही रेल नीर की आपूर्ति में अस्थायी कमी के बीच रेलवे ने 15 वैकल्पिक पैकेज्ड पेयजल ब्रांडों को मंजूरी दी है। रेलवे ने यात्रियों से निर्धारित दरों के अनुसार ही भुगतान करने, रसीद लेने और किसी भी प्रकार की अधिक वसूली की शिकायत हेल्पलाइन 139 या रेलमदद पोर्टल पर दर्ज कराने की अपील की है।

तय शुल्क से अधिक भुगतान न करें

मुंबई मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से जारी संदेशों में यात्रियों को जागरूक करते हुए कहा है कि स्टेशन परिसर में उपलब्ध सेवाओं के लिए तय शुल्क से अधिक भुगतान न करें। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी यात्री से निर्धारित दर से अधिक राशि वसूली जाती है, तो वह रसीद की फोटो के साथ 139 हेल्पलाइन या रेल मदद पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा सकता है। रेलवे द्वारा जारी आधिकारिक दर कार्ड के अनुसार स्टेशन परिसर में साइकिल पार्किंग का शुल्क दो घंटे तक के लिए 5 रुपए निर्धारित किया गया है। इसी अवधि के लिए दोपहिया वाहनों की पार्किंग का शुल्क 10 रुपए, कार और टैक्सी के लिए 20 रुपए तय किया गया है। मासिक पार्किंग पास की दरें भी निर्धारित की गई हैं। इसके तहत साइकिल के लिए 300 रुपए, दोपहिया वाहन के लिए 450 रुपए और कारों के लिए 750 रुपए मासिक शुल्क रखा गया है।

कुली सेवा के लिए निर्धारित दरें

सेंट्रल रेलवे ने कुली सेवा के आधिकारिक शुल्क भी सार्वजनिक किए हैं। जानकारी के अनुसार सिर पर 40 किलोग्राम तक सामान ढोने के लिए कुली का शुल्क 100 रुपए प्रति ट्रिप निर्धारित किया गया है। वहीं दोपहिया या चारपहिया ट्रॉली पर 160 किलोग्राम तक सामान ले जाने के लिए 150 रुपए प्रति ट्रिप शुल्क तय किया गया है। इसके अलावा दो कुलियों द्वारा व्हीलचेयर अथवा स्ट्रेचर ले जाने पर 150 रुपए और 4 कुलियों द्वारा यह सेवा प्रदान किए जाने पर 200 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है।

रेलवे ने की यात्रियों से अपील

रेलवे द्वारा अनुमोदित सभी वैकल्पिक पैकेज्ड पेयजल ब्रांड 14 रुपए प्रति लीटर की निर्धारित कीमत पर उपलब्ध होंगे, इनमें ऑक्सीमोर एक्वा, रोकोको, वैनिस ब्लू, ऑक्सी ग्रेड, बियोटिन, सनरिच एक्वा, एल्विश, इओनिटा, इन्वोलाइफ, स्प्लैशर, ऑक्सीराइज, कन्हैया, केल्विनो, विघ्नहर्ता आरोग्यम और ऑक्सी ब्लू शामिल है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अधिकृत विक्रेताओं से ही पानी खरीदें, निर्धारित मूल्य से अधिक भुगतान न करें और किसी भी अनियमितता की सूचना तुरंत रेलवे प्रशासन को दें।

सेंचुरी रेयॉन हाई स्कूल बना सरला बिड़ला हाई स्कूल

शिक्षा एवं समाज सेवा में डॉ. सरला बिड़ला के योगदान को सम्मान

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर के शहाड क्षेत्र की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था सेंचुरी रेयॉन हाई स्कूल का नाम अब 'सरला बिड़ला हाई स्कूल' कर दिया गया है। सेंचुरी रेयॉन एजुकेशन सोसाइटी ने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में डॉ. सरला बिड़ला के उल्लेखनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। विद्यालय के सभागार में आयोजित विशेष समारोह में नए नाम की नामपट्टिका का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में सेंचुरी रेयॉन एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष ओ.आर. चितलांगे, यूनिट हेड दिग्विजय पांडे, बी.के. बिड़ला कॉलेज के शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश चंद्र, बी.के. बिड़ला पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रंजना जांगरा तथा विद्यालय की मुख्याध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

■ इस अवसर पर ओ.आर. चितलांगे ने कहा कि डॉ. सरला बिड़ला के नाम पर विद्यालय का नामकरण उनकी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता, समाज सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संस्था भविष्य में भी उत्कृष्ट शिक्षा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 1956 में डॉ. सरला बिड़ला के मार्गदर्शन में कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की गई थी, जिसने शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

■ वर्ष 1958 में लगभग 500 विद्यार्थियों के साथ शुरू हुआ यह विद्यालय आज करीब 5,000 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। विद्यालय में आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट कक्षाएं, समृद्ध पुस्तकालय और खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों, शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया गया।

यूपी में सपा को साफ कर देगी एआईएमआईएम!

आगामी चुनाव के लिए वारिस पठान ने की सीट बेल्ट बांधने की अपील

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर एक बड़ा और बेहद चौंकाने वाला राजनीतिक बयान दिया है। मुंबई में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावी रण में उनकी पार्टी इस बार पूरी ताकत और नए समीकरणों के साथ कदम रखने जा रही है। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) को सीधे तौर पर चुनौती देते हुए कहा कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की जमीन पर मजलिस एक बड़े राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरने वाली है। वारिस पठान ने उत्तर प्रदेश की जनता और राजनीतिक विश्लेषकों को आगाह करते हुए कहा कि आप सभी लोग अपनी सीट बेल्ट कसकर बांध लीजिए, क्योंकि अब यूपी का सियासी मौसम पूरी तरह से बदलने वाला है।

यूपी के दौरे पर असदुद्दीन ओवैसी

मजलिस के चुनावी रोडमैप का खुलासा करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी इस समय स्वयं उत्तर प्रदेश के सघन दौरे पर हैं। वे राजधानी लखनऊ से बहराइच होते हुए मटेरा विधानसभा क्षेत्र पहुंचे हैं, जहां उनकी एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया है। पठान ने दावा किया कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत और धारदार बनाने का काम बहुत पहले ही शुरू किया जा चुका है। पार्टी की रैलियों और बैठकों में अल्पसंख्यक और शोषित समाज का भारी जनसमर्थन मिल रहा है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि साल 2027 में एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश के भीतर एक अत्यंत मजबूत और निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराएगी।

भारत-पाकिस्तान महिला वर्ल्ड कप मैच पर उठाया सवाल

उत्तर प्रदेश के चुनावों के साथ-साथ वारिस पठान ने खेल के मैदान पर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबलों को लेकर भी केंद्र सरकार की नीतियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने महिला विश्व कप में भारत-पाकिस्तान के मैच पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो अपनी हरकतों से कभी बाज नहीं आ सकता और न ही कभी सुधरेगा। उन्होंने याद दिलाया कि जब भारत ने पाकिस्तान से व्यापारिक, कूटनीतिक और तकनीकी संबंधों समेत सभी रिश्ते पूरी तरह तोड़ लिए हैं और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स तक ब्लॉक हैं, तो फिर क्रिकेट खेलने की क्या मजबूरी है। पठान ने आरोप लगाया कि आज जो भी मैच हो रहे हैं, वे केवल कमर्शियल और व्यावसायिक फायदों के चलते खेले जा रहे हैं।

फर्जी कॉल सेंटर पर छापा

अमेरिकी नागरिकों से ऑनलाइन ठगी का आरोप 10 आरोपी गिरफ्तार, डिजिटल उपकरण जब्त

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

मुंब्रा के अमृतनगर स्थित डी.जी. बिल्डिंग में चल रहे एक कथित फर्जी कॉल सेंटर पर ठाणे क्राइम ब्रांच के संपत्ति अपराध प्रकोष्ठ ने छापा मारकर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से कई लैपटॉप, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री भी जब्त की है। बताया जा रहा है कि यह कॉल सेंटर अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर ऑनलाइन ठगी के अवैध कारोबार में लिप्त था।

अमेरिकी ग्राहकों को बनाते थे निशाना

पुलिस के अनुसार, डी.जी. सिटी की दूसरी मंजिल पर 'ग्लोबल कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड' के नाम से यह कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा था। यहां काम करने वाले लोग स्वयं को सिक्योरिटी सर्विसेज के प्रतिनिधि बताकर अमेरिकी नागरिकों से संपर्क करते थे। इसके बाद ग्राहकों के कंप्यूटर का रिमोट एक्सेस लेकर उनकी बैंकिंग और वित्तीय जानकारी हासिल कर कथित रूप से वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया जाता था।

गुप्त सूचना पर छापा

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गोरखनाथ घर्गे को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार देर रात करीब डेढ़ बजे की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस को कंप्यूटरों में ठगी के लिए उपयोग की जाने वाली स्क्रिप्ट, अमेरिकी ग्राहकों का डेटा, बैंक खातों की जानकारी, कॉलिंग सॉफ्टवेयर और अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य मिले।

कई उपकरण जब्त

पुलिस ने चार हार्ड डिस्क, एक आईफोन, कई पेन ड्राइव तथा लगभग 70 हजार रुपए मूल्य के अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। जब्त सामग्री को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है ताकि ठगी के नेटवर्क और उसके दायरे का पता लगाया जा सके।

पुलिस किया मामला दर्ज

ऑपरेशन के दौरान,राबोडी के रहने वाले 34 साल के नदीम नसीम शेख इसके इलावा शौबतीक दास (25), तबरेज अमीर शेख (25), मारूफ इम्तियाज खान (29), मसुद्दीन नफीस शेख (23), फरदीन फैयाज खान (28), सोमू सामंत बासु (24), अबुबकर महबूब शेख (27), आफताब सय्यद (23), साहिल (25) को हिरासत में लिया गया, इस फर्जी कॉल सेंटर के मामले में सब-इंस्पेक्टर शीतल पाटिल की शिकायत पर इन 10 लोगों के विरुद्ध भारतीय न्यायिक संहिता की धारा 316(2), 318(4), 3(5) और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के सेक्शन 66(सी) और 66(डी) के तहत केस दर्ज किया गया है।

ठाणे जिला सहकारी बैंक चुनाव में महायुति में दरार!

भाजपा-शिवसेना नेताओं के अलग-अलग पैनल आमने-सामने

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिला सहकारी बैंक के चुनाव में महायुति बिखर गयी है। दावा किया गया था कि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल के नेतृत्व वाले परिवर्तन पैनल को राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित अन्य पदाधिकारियों का समर्थन प्राप्त है। लेकिन परिवर्तन पैनल के खिलाफ सहकार पैनल मैदान में उतर गया है, जिसका नेतृत्व भाजपा विधायक किसन कथोरे सहित शिवसेना के अन्य सांसद विधायक कर रहे हैं। सहकार पैनल में भाजपा के साथ ही शिवसेना एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सांसद विधायक शामिल हैं। इसको लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गयी हैं।

27 जून को ठाणे जिला सहकारी बैंक चुनाव

ठाणे जिला सहकारी बैंक के चुनाव 27 जून को कराया जाना है। बैंक के 21 निदेशकों में से 9 का चुनाव निर्विरोध हो चुका है। पिछले दिनों ठाणे भाजपा के विभागीय कार्यालय में बैंक के पूर्व अध्यक्ष कपिल पाटिल ने दावा किया था कि बैंक का चुनाव शिवसेना भाजपा मिल कर लड़ रही है। उन्होंने 7 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी, जिसमें भाजपा के 4 एवं शिवसेना के तीन सदस्य शामिल हैं।

विशेष पिछड़ा वर्ग चुनाव क्षेत्र से राजेंद्र घोलप मैदान में

परिवर्तन पैनल की तरफ से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति निर्वाचन क्षेत्र से पांडुरंग बरोरा, क्रय विक्रय संघ प्रसंस्करण संस्था एवं उपभोक्ता संस्था निर्वाचन क्षेत्र से सीताराम राणे अन्य पिछड़ा वर्ग निर्वाचन क्षेत्र से हार्दिक राऊत को मैदान में उतारा गया है। जबकि वेतनभोगी सेवकों की सहकारी पतसंस्था, नागरी सहकारी संस्था व नागरी बैंक चुनाव क्षेत्र से प्रभु गोविंद पाटिल, विमुक्त जाति, भटक्या जमाति व विशेष पिछड़ा वर्ग चुनाव क्षेत्र से राजेंद्र घोलप को मैदान में उतारा गया है।

परिवर्तन पैनल के खिलाफ मैदान में सहकार पैनल

परिवर्तन पैनल के खिलाफ सहकार पैनल ने हुंकार भरी है। सोमवार 15 जून को सुबह 11:30 बजे ठाणे के टिप-टॉप प्लाजा में पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया है। आयोजकों की तरफ से दावा किया गया है कि पत्रकार परिषद में राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद नरेश म्हस्के एवं सुरेश (बाल्या मामा) म्हात्रे, विधायक किसन कथोरे, बहुजन विकास आघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर, विधायक रविंद्र फाटक, राजेंद्र गावित, बालाजी किणीकर, राजेश मोरे, शांताराम मोरे, विलास तारे, प्रकाश भोईर, पूर्व विधायक सुनील भुसारा, शिवसेना नेता प्रकाश पाटिल, शिवसेना के उपनेता विजय चौगुले, कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, ठाणे जिला बैंक के पूर्व अध्यक्ष शिवाजीराव शिंदे, राजेंद्र पाटिल, अरुण पाटिल, शिवसेना सचिव राम रेपाले और ठाणे मनपा सदन के नेता हनमंत जगदाले सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

स्कूल प्रवेश उत्सव में छात्रों का स्वागत

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

मुंब्रा में नए शैक्षणिक वर्ष 2026-27 की शुरूआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। ठाणे महानगरपालिका के स्कूल क्रमांक 100 में 'शाला प्रवेश उत्सव' और निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक जितेंद्र आव्हाड सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का स्वागत कर उनका उत्साह बढ़ाया। नए सत्र के पहले दिन विद्यालय को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। परिसर में बैनर, डिजिटल बोर्ड और अध्ययन के अनुकूल विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। स्कूल का वातावरण विद्यार्थियों के उत्साह, नई उम्मीदों और शिक्षा के प्रति संकल्प से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों का विशेष स्वागत किया गया तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित कर उनकी शैक्षणिक यात्रा की औपचारिक शुरूआत कराई गई। अतिथियों ने विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और कर्मचारियों की तैयारियों की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की प्रशंसा की। विद्यालय के मुख्याध्यापक, शिक्षकों और समस्त स्टाफ के प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर शमीम खान, नगरसेविका मरजिया पठान, शिक्षा विभाग के यूआरसी प्रमुख मुश्ताक पठान, शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में नए शैक्षणिक वर्ष के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास का संचार किया।

9 दिन बाद मिला लापता युवक का शव

संजयनगर में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

हिंदमाता संवाददाता @ बोईसर

बोईसर क्षेत्र में नौ दिनों से लापता एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कन्हैया छोटेलाल भारद्वाज (24) निवासी संजयनगर, बोईसर के रूप में हुई है। युवक 9 जून को दोपहर करीब 12 बजे अपने घर से निकला था, जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चला था।

गुमशुदगी की शिकायत दर्ज

परिजनों द्वारा युवक के घर नहीं लौटने पर बोईसर पुलिस थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मनुष्य गुमशुदगी रजिस्टर क्रमांक 87/2026 के तहत मामला दर्ज कर युवक की तलाश शुरू की थी। विभिन्न स्थानों पर खोजबीन के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया था। इसी बीच संजयनगर क्षेत्र में एक युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कन्हैया भारद्वाज के रूप में की। शव मिलने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल के आसपास जमा हो गए।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर चिंता और चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

अवैध पेट्रोलियम भंडार पर छापा

ज्वलनशील पदार्थ और वाहन जब्त, दो गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर की हिललाइन पुलिस ने हाइड्रोकार्बन पेट्रोलियम उत्पादों के अवैध भंडारण और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बिना वैध लाइसेंस के ज्वलनशील पदार्थों की खरीद-बिक्री और परिवहन किया जा रहा था, जिससे मानव जीवन और सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता था।

गुप्त सूचना पर छापा

पुलिस को मिली सूचना के आधार पर 14 जून की सुबह अंबरनाथ तालुका के उस्ताने गांव स्थित खोनी-तलोजा रोड पर नियो लॉजिस्टिक्स पार्क के प्लॉट नंबर ओ.पी.-20 में छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने योगेश जंगाले (40) निवासी टिटवाला पूर्व और विकास सुरेंद्र दुबे (43) निवासी पलावा, डोंबिवली पूर्व को गिरफ्तार किया। मामले में संदीप दत्तात्रेय सबारे (36), निवासी लातूर को भी आरोपी बनाया गया है।

टैंकर और वाहन जब्त

जांच में सामने आया कि एक टैंकर में मिश्रित हाइड्रोकार्बन पेट्रोलियम तरल का परिवहन किया जा रहा था। दस्तावेजों में इसे केवल खाद्य तेल उपयोग के लिए दर्शाया गया था, जबकि इसके लिए आवश्यक वैध लाइसेंस उपलब्ध नहीं था। पुलिस ने टैंकर, आइशर ट्रक तथा मौके पर मौजूद एक टेम्पो को जब्त कर लिया है।

जांच जारी

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि ज्वलनशील पदार्थों का अवैध भंडारण और परिवहन गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता था। मामले की आगे की जांच पुलिस नायक कैलाश के मार्गदर्शन में की जा रही है तथा अन्य संबंधित लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

कल्याण-अंबरनाथ रोड कार्यों की समीक्षा

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर में कल्याण-अंबरनाथ रोड परियोजना और मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा के लिए विधायक कुमार आयलानी ने अपने कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वधर्या, सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), महानगरपालिका, ट्रैफिक विभाग, नगर रचना विभाग, अतिक्रमण विभाग, सिटी इंजीनियर तथा सड़क निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में विधायक आयलानी ने सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था, गड्ढों की मरम्मत, डिवाइडर निर्माण तथा अन्य लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें। अधिकारियों ने बताया कि शांतिनगर वेलकम गेट से 17 सेक्शन तक सड़क निर्माण का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है और केवल डिवाइडर सहित कुछ छोटे कार्य शेष हैं। वहीं अन्य हिस्सों में चल रहे निर्माण कार्य भी 80 से 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके हैं। विधायक ने ठेकेदारों को गुणवत्ता बनाए रखते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर तेज रफ्तार कार पलटी

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर के काशीमीरा इलाके में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार का बड़ा हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, कार चालक ने नियंत्रण खो दिया जिसके बाद वाहन पलट गया और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 1 व्यक्ति घायल हो गया। घटना पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे के काशीमीरा क्षेत्र में देर रात या सुबह के समय हुई बताई जा रही है, जहां अक्सर तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं सामने आती रहती हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सड़क पर पलट गई और आसपास के लोगों में भी दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वाहन को सड़क से हटाकर ट्रैफिक को सामान्य किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि हादसा तेज रफ्तार, लापरवाही या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुआ।

एक ही रात में 80 से अधिक भेड़ों की मौत, 40 भेड़ें अब भी बीमार

हिंदमाता नेटवर्क @ अकोला

पातुर तहसील के तांदली क्षेत्र में एक पशुपालक के भेड़ों के झुंड में अचानक बीमारी फैलने से 80 से अधिक भेड़ों की मौत हो गई, जबकि करीब 40 भेड़ें अब भी बीमार अवस्था में हैं। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और पशुपालक को लाखों रुपए के आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। भेड़ों की मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पशुपालक हरिभाऊ शिंगोले अपने लगभग 120 भेड़ों के झुंड के साथ तांदली बु. गांव के बाहर एक खेत में डेरा डालकर रह रहे थे। शनिवार की रात से अचानक भेड़ें बीमार पड़ने लगीं और कुछ ही घंटों में बड़ी संख्या में उनकी मौत होने लगी। अगले दिन सुबह तक 80 से अधिक भेड़ें मर चुकी थीं, जबकि शेष भेड़ों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पशुसंवर्धन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम कर आवश्यक नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया। अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। प्राथमिक अनुमान के अनुसार विषैली वनस्पति खाने, दूषित चारे या किसी प्रकार की विषबाधा के कारण यह घटना होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और पशुपालकों ने आरोप लगाया है कि इतनी बड़ी संख्या में पशुधन प्रभावित होने के बावजूद पशु चिकित्सा विभाग की ओर से तत्काल विशेष चिकित्सा शिविर या पर्याप्त उपचार व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई गई। बीमार भेड़ों के इलाज में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाए जाने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है।

हिंदमाता एंकरः जब कुएं से निकली गुलाबी फ्रॉक वाली मासूम... रो पड़ा सोशल मीडिया

कलेजा चीर देगा सोलापुर हादसे का यह वीडियो!

हिंदमाता नेटवर्क @ सोलापुर

सोलापुर से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां श्रद्धालुओं से भरी एक अनियंत्रित पिकअप गाड़ी सड़क किनारे गहरे कुएं में जा गिरी। इस भयानक हादसे में 8 मासूम जिंदगियां हमेशा के लिए खामोश हो गईं। वहीं रेस्क्यू ऑपरेशन का एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर हर किसी को रुला रहा है।

म्हास्वड-पंढरपुर रोड पर हुआ हादसे

सोलापुर जिले की मालशिरस तालुका के म्हास्वड-पंढरपुर रोड पर तांदुलवाडी गांव में रविवार को हुए भीषण हादसे ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर कर रख दिया है। श्रद्धालुओं को ले जा रही पिकअप असंतुलित होकर सड़क से सटे एक कुएं में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में 8 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि श्रद्धालु म्हास्वड के सिद्धनाथ मंदिर के दर्शन करके अपने गांव लौट रहे थे। इस वाहन में महिला और बच्चों समेत कुल 16 लोग सवार थे। इस दर्दनाक हादसे में 8 लोगों की जान चली गई। वहीं बाकी को लोगों को बचा लिया गया।

पंढरपुर हादसे के रेस्क्यू ऑपरेशन का भावुक वीडियो

इस घटना के बाद एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसने सबकों भावुक कर दिया है। हादसे के बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन का से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसे देख आपकी आंखें भी नम हो जाएगी। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और पुलिस प्रशासन को सूचना दी। ग्रामीणों, पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों ने मिलकर कुएं से लोगों को निकालना शुरू किया। इनमें से 8 लोगों को तब तक मौत हो चुकी थी। इसी रेस्क्यू ऑपरेशन का एक वीडियो अब सामने आया है, जिसमें रेस्क्यू टीम पहले एक महिला को निकालती है। उसके बाद एक छोटी बच्ची को पानी से निकालती है। यह बात सामान्य लग रही है। लेकिन जब बच्ची को निकाला जाता तब उसके और महिला के कपड़ों का कलर देखकर और बच्ची का मासूम चेहरा देखकर आपकी आंखों में पानी आ जाएगा।

इंटरनेट पर फूटा लोगों का दर्द

इस दर्दनाक दृश्य को देखकर इंटरनेट यूजर्स बेहद भावुक हैं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि गुलाबी ड्रेस में उस छोटी सी बच्ची का चेहरा और उसकी नन्ही चोटी अब भी आंखों के सामने घूम रही है, यह दर्द असहनीय है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि भगवान किसी भी परिवार को ऐसा दिन न दिखाए।

पीएम मोदी ने जताया दुख

पंढरपुर हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत पक्ष-विपक्ष के कई नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र के सोलापुर ग्रामीण क्षेत्र में हुई यह दुर्घटना अत्यंत दुखद है और इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सोलापुर जिले के मालशिरस तालुका के तांदलवाडी में हुई घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। मैं मृतकों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवारों के दुख में शामिल हूं। उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह है कि सात लोगों को बचा लिया गया है और उनका इलाज चल रहा है। सीएम ने राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

लाडली बहना की तर्ज पर बीएमसी की 'स्वाभिमान निधि योजना'

महिलाओं को हर महीने 3,000 देने का प्रस्ताव

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

घरों में काम करने वाली महिलाओं तथा असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिला कामगारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रस्तावित 'स्वाभिमान निधि योजना' को राज्य सरकार द्वारा तत्काल मंजूरी देने की मांग तेज हो गई है। बीएमसी की विपक्ष की नेता किशोरी किशोर पेडणेकर ने राज्य सरकार से इस महत्वपूर्ण योजना को शीघ्र लागू करने की अपील की है। गौरतलब है कि यह योजना शिवसेना यूबीटी के घोषणा पत्र में थी। पार्टी ने बीएमसी चुनाव में वादा किया था कि अगर वह बीएमसी में जीत दर्ज कर सत्ता बनाती हैं, तो महिलाओं को 3 हजार रुपए दिया जाएगा। लाडकी बहिण योजना की तर्ज पर तैयार की गई इस योजना के तहत स्वरोजगार तथा असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 से 3,000 रुपए तक की आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव है। इस संबंध में सभागृह नेता गणेश खणकर को लिखित प्रस्ताव सौंपा गया था, जिस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए इसे राज्य सरकार के पास मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। किशोरी पेडणेकर ने कहा कि मनपा चुनावों के दौरान शिवसेना (यूबीटी) ने घरेलू कामगार महिलाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का वादा किया था। बढ़ती महंगाई, घरेलू खर्चों में वृद्धि और आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना समय की आवश्यकता है।

5 लाख महिलाओं को मिलेगा लाभ

■ मनपा आयुक्त अश्विनी भिडे ने इस योजना का विस्तृत प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया है, जिस पर अंतिम निर्णय सरकार को लेना है। प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली अनेक महिलाएं अचानक उत्पन्न होने वाले आर्थिक संकटों के कारण कठिन परिस्थितियों का सामना करती है। ऐसे में नियमित आर्थिक सहायता उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सूत्रों के अनुसार, इस योजना से मुंबई की लगभग 5 लाख महिलाओं को लाभ मिल सकता है। यदि योजना लागू होती है, तो बीएमसी पर हर महीने 75 से 100 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ सकता है। इस प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व भी काफी बढ़ गया है। किशोरी पेडणेकर ने मार्च में यह प्रस्ताव सदन के नेता एवं भाजपा नगरसेवक गणेश खणकर को सौंपा था। खणकर ने भी इसका समर्थन करते हुए इसे स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे के पास भेजा और बजटीय प्रावधानों की संभावना जांचने की सिफारिश की। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने 2024 में 'मुख्यमंत्री माझी लाडली बहना योजना' शुरू की थी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपए की सहायता दी जा रही है।

26 वार्ड कार्यालयों के माध्यम से पात्र महिलाओं का सर्वे

■ इस योजना के लगभग 1.7 करोड़ लाभार्थी है और सरकार पर हर महीने करीब 2,500 करोड़ रुपए का खर्च आता है। राज्य सरकार की मंजूरी मिलने के बाद मनपा के 26 वार्ड कार्यालयों के माध्यम से पात्र महिलाओं का सर्वे और पंजीकरण किया जाएगा। सत्यापन के लिए ई-श्रम पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है, जबकि गैर-पंजीकृत कामगारों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया जा सकता है। हालांकि, वित्तीय चुनौती भी कम नहीं है। बीएमसी की अवसंरचना परियोजनाओं पर वर्तमान देनदारी 2.13 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है, जबकि उसकी जमा निधि घटकर 81,449 करोड़ रुपए रह गई है। ऐसे में योजना के वित्तपोषण को लेकर अंतिम निर्णय राज्य सरकार को लेना होगा। यदि इस योजना को मंजूरी मिलती है, तो यह देश की किसी नगर निगम द्वारा असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए शुरू की जाने वाली पहली प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण योजना बन सकती है।

'क्या नवी मुंबई बिहार-झारखंड में है?'

●एकनाथ शिंदे का नाम कटने से भड़के शिवसैनिक, गणेश नाईक के खिलाफ खोला मोर्चा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की सत्ताधारी महायुति सरकार के भीतर का आंतरिक गतिरोध अब खुलकर सड़कों पर आ गया है। नवी मुंबई नगर निगम के एक आधिकारिक स्वास्थ्य परियोजना उद्घाटन कार्यक्रम की निमंत्रण पत्रिका से राज्य के उपमुख्यमंत्री और ठाणे जिले के पालक मंत्री एकनाथ शिंदे का नाम कथित तौर पर हटाए जाने के बाद आज वाशी में भारी बवाल हो गया। इस घटनाक्रम से आक्रोशित होकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने आक्रामक रुख अपनाते हुए भाजपा के कद्दावर नेता और वन मंत्री गणेश नाइक की कार को बीच रास्ते में ही रोक दिया। शिवसैनिकों ने गणेश नाइक के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की और उनके काफिले के आगे प्रदर्शन किया। शिवसेना ने दो टूक चेतावनी दी है कि अब नवी मुंबई में गणेश नाइक और शिवसेना के बीच कोई दोस्ती नहीं रहेगी, बल्कि दोनों के संबंध अब 'विल्या-भोपला' (छत्तीस का आंकड़ा) जैसे दुश्मनी भरे रहेंगे।

कमिश्नर का दावा- नाइक और मेयर ने काटा उपमुख्यमंत्री का नाम

इस पूरे विवाद पर शिवसेना के वरिष्ठ सांसद नरेश म्हस्के ने भाजपा नेता गणेश नाइक पर नवी मुंबई में समानांतर और मनमानी सत्ता चलाने का बेहद गंभीर आरोप लगाया है। म्हस्के ने एक बयान में सनसनीखेज खुलासा करते हुए दावा किया कि जब उन्होंने इस अपमान को लेकर नगर निगम प्रशासन और कमिश्नर से जवाब मांगा, तो कमिश्नर ने स्पष्ट रूप से बताया कि प्रशासन द्वारा तैयार मूल सूची में पालक मंत्री एकनाथ शिंदे का नाम शामिल था। लेकिन बाद में गणेश नाइक और स्थानीय मेयर ने मिलकर जानबूझकर एकनाथ शिंदे का नाम उस आमंत्रण पत्र से कटवा दिया, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

क्या नवी मुंबई बिहार या झारखंड में है

सांसद नरेश म्हस्के ने इस अपमानजनक व्यवहार पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य मंत्रिपरिषद से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या नवी मुंबई महाराष्ट्र का हिस्सा नहीं है या यह बिहार और झारखंड में स्थित है, जहां शहरी विकास विभाग के सारे नियम-कायदे ताक पर रख दिए जाते हैं। म्हस्के ने कहा कि जब एकनाथ शिंदे मंत्री थे, तब उन्होंने स्वयं व्यक्तिगत रूप से डायलिसिस सेंटर से लेकर शहर के तमाम सर्वेक्षणों की कमान संभाली थी, लेकिन उद्घाटन के समय श्रेय लेने के लिए चालाकी की गई। उन्होंने चुनौती दी कि जनता के दिलों में बसने वाले एकनाथ शिंदे का नाम मिटाने की कोशिश करने वाले खुद राजनीतिक रूप से छोटे हो जाएंगे।

भाजपा विधायक मंदा म्हात्रे ने भी किया वॉकआउट

यह लड़ाई सिर्फ शिवसेना बनाम गणेश नाइक तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि भाजपा की स्थानीय विधायक मंदा म्हात्रे ने भी गणेश नाइक के खिलाफ अपनी ही पार्टी में मोर्चा खोल दिया है। इस कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा धक्का-मुक्की किए जाने के बाद मंदा म्हात्रे ने गुस्से में आकर कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया और वॉकआउट कर गईं। म्हात्रे ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय विधायक होने के बावजूद गणेश नाइक और उनके समर्थक उन्हें लगातार प्रताड़ित और नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनके ऐरोली और बेलापुर निर्वाचन क्षेत्र में नाइक गुट की इसी तरह घुसपैठ जारी रही, तो वे चुप नहीं बैठेंगी और इसका करारा जवाब देंगी। वहीं दूसरी ओर, इस पूरे विवाद पर जब वन मंत्री गणेश नाइक से सीधे सवाल पूछा गया, तो वे कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से बचते नजर आए और गेंद मेयर के पाले में डाल दी।

'मैं उनकी मस्ती उतार दूंगी', धक्का-मुक्की से भड़की बीजेपी विधायक मंदा म्हात्रे

मंत्री गणेश नाईक को लिया आड़े हाथ

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्घाटन के प्रोग्राम शेड्यूल को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। शिवसैनिक इस बात से नाराज हैं कि निमंत्रण पत्र से ठाणे जिले के पालकमंत्री और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का नाम हटा दिया गया। वहीं भाजपा विधायक मंदा म्हात्रे ने मंत्री गणेश नाईक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को नवी मुंबई मनपा में हेल्थ प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन समारोह हो रहा है, जिसकी अध्यक्षता वन मंत्री गणेश नाईक कर रहे हैं। गणेश नाईक पालघर जिले के और एकनाथ शिंदे ठाणे जिले के पालघर जिले के पालकमंत्री हैं, लेकिन नवी मुंबई के इस कार्यक्रम का उद्घाटन नाईक द्वारा किए जाने से विवाद पैदा हो गया है।

मंदा म्हात्रे ने किया कार्यक्रम का बहिष्कार

एक ओर कार्यक्रम स्थल पर गणेश नाईक की मौजूदगी में समारोह चल रहा है, वहीं बाहर बड़ी संख्या में नाराज शिव सैनिक जोरदार विरोध प्रदर्शन करने के लिए जमा हो गए हैं। इस बीच, बीजेपी विधायक मंदा म्हात्रे ने भी अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कार्यक्रम का बहिष्कार किया है। उन्होंने इस पूरे मामले पर सख्त रूख अपनाते हुए गणेश नाईक के काम करने के तरीके पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कार्यक्रम का पूरी तरह से बहिष्कार करने का फैसला किया है।

मंदा म्हात्रे ने गणेश नाईक पर साधा निशाना

मंदा म्हात्रे ने आगे कहा कि जमीन पर कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने सिविल कामों के लिए कुछ विधायक फंड दिया है। जो काम ऐरोली विधानसभा क्षेत्र में होने चाहिए थे वे बेलापुर में किए जा रहे हैं। ऐरोली के लोग कई तरह की समस्याओं को लेकर मेरे पास आते हैं। कुछ लोग सफाई केंद्र की मांग करते हैं, तो कुछ जिम बनाने का अनुरोध करते हैं। स्थानीय निवासियों को राशन कार्ड से जुड़े छोटे-मोटे कामों के लिए भी अपने प्रतिनिधियों के स्टाफ तक पहुंच नहीं मिल पाती। घंसोली, कोपर खैराने और ऐरोली के लोग मेरे पास आते हैं। मेरे पास पेंडिंग कामों का अंबार लगा हुआ है। मंदा म्हात्रे ने मंत्री गणेश नाईक से उनकी पुरानी बात याद दिलाते कहा कि 2004 में जब मैं विधायक थी और एक जेटी बन रही थी, तो नाईक मेरे पास आए और पूछा कि मैं यहां का विधायक हूं। आप मुझसे सलाह लिए बिना काम कैसे कर सकती हैं?' क्या वे अब अपनी ही बात भूल गए हैं? म्हात्रे ने नाईक से सवाल पूछते हुए कहा कि अब मैं यहां की विधायक हूं, फिर भी क्या मुझसे कभी कोई सलाह-मशविरा किया जाता है? एक साल पहले, मैंने एल-एंड-टी के सीएसआर फंड से यहां दो डायलिसिस मशीनें लगवाई थीं क्योंकि लोगों को डायलिसिस के लिए पैसे देने पड़ते हैं। अभी जो डायलिसिस सर्विस चल रही है, उसके लिए पैसे देने पड़ते हैं। कुछ भी मुफ्त नहीं है, तो मनपा का सारा पैसा कहां जा रहा है? भाजपा विधायक मंदा म्हात्रे ने वैभव नाईक की क्रेडिट लेने की राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि आप बड़े-बड़े दावे करके खुद का प्रचार करते हैं कि यह सब मेरी वजह से हुआ। क्या मैंने कभी पूछा कि डायलिसिस मशीनें किसने दीं या उनकी सप्लाई कैसे हुई? इसमें कितना खर्च आया? यह तो बस बिना हक के क्रेडिट लेने वाली बात है।

एकनाथ शिंदे का नाम गायब, गणेश नाईक के नाम पर

मीडिया से बात करते हुए भाजपा विधायक मंदा म्हात्रे ने कहा कि नवी मुंबई में मिल्क बैंक पहल शुरू की जा रही है ताकि उन माताओं के बच्चों को दूध मिल सके जो स्तनपान नहीं करा सकतीं। यह सेवा नवी मुंबई महानगरपालिका अस्पताल आने वाले गरीब परिवारों के बच्चों के लिए होगी। इसके अलावा, यहां लगाई गई डायलिसिस मशीन कॉन्ट्रैक्टर ने दी थी, न कि किसी मंत्री ने। मनपा ने शुरूआती निमंत्रण कार्ड सही छापा था, लेकिन दूसरे कार्ड से एकनाथ शिंदे का नाम जानबूझकर हटा दिया गया था और उसकी जगह यह लिखा गया था कि यह काम भाजपा विधायक गणेश नाईक ने किया है।

मुझे बार-बार अपमानित किया जा रहा: मंदा म्हात्रे

बेलापुर से भाजपा विधायक म्हात्रे ने कहा कि मैं पूरी स्थिति से तंग आ चुकी हूं। मैंने पार्टी को भी यह बात साफ-साफ बता दी है। अब मैं खुद आगे के कदम उठाऊंगी। पूरे कोंकण इलाके में मैं अकेली महिला भाजपा विधायक हूं और लगातार तीन बार चुनी गई हूं। दूसरे विधायकों के उलट मेरे कार्यकाल में कभी कोई रुकावट नहीं आई, और न ही ऐसा हुआ कि मैं एक बार हारकर दोबारा लौटी हूं। लोगों ने मेरे काम के आधार पर मुझे लगातार चुना है, फिर भी मुझे बार-बार अपमानित किया जाता है।

गणेश नाईक को मंदा म्हात्रे की चेतावनी

मंदा म्हात्रे ने यह भी आरोप लगाया कि गणेश नाईक के समर्थकों ने उनके साथ बदसलूकी की और बताया कि कार्यक्रम स्थल पर उनके कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा हो गई थी। उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक होने के बावजूद उन्हें लगातार दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि मैं इनकी मस्ती उतार दूंगी। म्हात्रे ने चेतावनी दी कि अगर वे उनके चुनाव क्षेत्र में दखल देना जारी रखेंगे, तो वह भी ऐरोली चुनाव क्षेत्र में जाकर जवाब देंगी और अब चुप नहीं बैठेंगी।

ऑपरेशन टाइगर बनाम वुल्फ

संजय राऊत का एकनाथ शिंदे पर निशाना बाघ को छूने की हिम्मत नहीं

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

यूबीटी शिवसेना नेता संजय राऊत ने शिंदे गुट और बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि उनका 'ऑपरेशन टाइगर' पूरी तरह फ्लॉप हो गया है। राऊत ने दावा किया कि सभी सांसद यूबीटी शिवसेना के साथ हैं और अब उनकी पार्टी 'ऑपरेशन वुल्फ' करेगी। संजय राऊत ने कहा कि भ्रम निर्माण करने के लिए शिंदे या बीजेपी के लोग ऐसे प्रपंच करते रहते हैं। इस क्षण ये सभी सांसद शिवसेना के साथ हैं। इसलिए आपका जो भी ऑपरेशन था, वो फुस्स हो गया। उन्होंने आगे कहा कि अब यूबीटी शिवसेना 'ऑपरेशन वुल्फ' करेगी।

बाघ को छूने की हिम्मत नहीं, पहले बेहोश करना पड़ता है

संजय राऊत ने बाघ के मेटाफर को विस्तार से समझाते हुए कहा, 'टाइगर का ऑपरेशन आप कैसे करोगे? बाघ क्या आपको हाथ लगाने देगा? बाघ को बेहोश करना पड़ता है। दूर से इंजेक्शन मारना पड़ता है, फिर जाकर उसके पैर बांधने पड़ते हैं। यह हमारे यहां संभव नहीं है।'

बूढ़ा बाघ वाली बात खारिज, 'खुले जंगल में घूम रहा है'

जब विपक्षी पक्ष की ओर से कहा गया कि बाघ बूढ़ा हो गया है, तो संजय राऊत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिल्कुल नहीं! बिल्कुल नहीं! बाघ खुले जंगल में घूम रहा है। संजय राऊत का यह बयान शिवसेना के आंतरिक कलह और सांसदों की निष्ठा को लेकर चल रही अटकलों के बीच आया है। उन्होंने एकनाथ शिंदे गुट पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके सारे प्रयास नाकाम हो चुके हैं। संजय राऊत का बयान ऐसे समय में सामने आया है जब दोनों शिवसेना गुटों के बीच सियासी तकरार लगातार जारी है। यूबीटी शिवसेना 'ऑपरेशन वुल्फ' की बात कर आक्रामक रणनीति अपनाने का संकेत दे रही है।

बोरीवली स्टेशन के कायाकल्प से लेकर नई लोकल सेवाओं तक

यात्रियों की आवाज रेल मंत्री तक पहुंची

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बोरीवली रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण, वातानुकूलित लोकल बढ़ाने, बोरीवली से बेलापुर और कल्याण तक सीधी लोकल सेवा शुरू करने समेत कई मांगों को लेकर विधायक संजय उपाध्याय ने रेल मंत्री से मुलाकात की। लाखों यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद।

बोरीवली स्टेशन के आधुनिकीकरण में तेजी की मांग

मुंबई के पश्चिमी उपनगरों के लाखों यात्रियों की सुविधा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगों को लेकर बोरीवली विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय उपाध्याय ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पत्र सौंपा। विधायक ने बोरीवली रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि बोरीवली स्टेशन पश्चिम रेलवे के सबसे व्यस्त स्टेशनों में शामिल है, जहां रोजाना करीब साढ़े चार लाख यात्री सफर करते हैं। प्रधानमंत्री अमृत भारत योजना के तहत बोरीवली स्टेशन के आधुनिकीकरण को मंजूरी मिल चुकी है। ऐसे में अब यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए काम को जल्द शुरू करने की जरूरत है।

बोरीवली-चर्चगेट के बीच बढ़े वातानुकूलित लोकल फेरे

बढ़ती भीड़ और गर्मी से परेशान यात्रियों को राहत देने के लिए विधायक ने बोरीवली से चर्चगेट के बीच वातानुकूलित लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उपनगरों से रोजाना बड़ी संख्या में लोग कार्यालय, व्यापार और शिक्षा के लिए यात्रा करते हैं। ऐसे में मौजूदा लोकल सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है।

पुरानी मेमू की जगह नई लोकल चलाने की मांग

विधायक संजय उपाध्याय ने दहाणू रोड, विरार और बोरीवली के बीच चलने वाली मेमू ट्रेनों की जगह नई लोकल ट्रेन शुरू करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कई मेमू रैक पुराने हो चुके हैं। यात्रियों को सफाई, रोशनी और हवा जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी महसूस होती है। उन्होंने पश्चिम रेलवे से वातानुकूलित और सामान्य डिब्बों वाली नई लोकल सेवा शुरू करने की मांग की, जिससे लंबी दूरी के उपनगरीय यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके।

बूंद-बूंद पानी को तरसेगी मुंबई?

जलाशयों में खत्म होता जल और नदारद मानसून के बादल

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

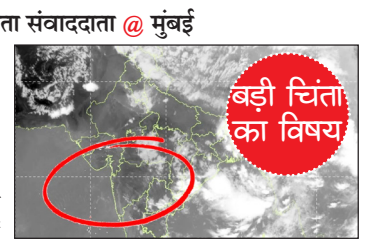

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर आगामी दिनों में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने का एक बहुत बड़ा संकट मंडरा रहा है। जून का आधा महीना बीत जाने के बाद भी मायानगरी मुंबई में मानसूनी बारिश का दूर-दूर तक नामोनिशान नजर नहीं आ रहा है। अमूमन हर साल जून की शुरूआत होते ही मानसूनी बादल मुंबई के आसमान पर डेरा डाल लेते थे और 10 जून से पहले महानगर में मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो जाता था। लेकिन इस साल मानसून की इस अप्रत्याशित बेरुखी ने नगर निगम प्रशासन और आम मुंबईकरों की धड़कनें तेज कर दी हैं। बारिश न होने के कारण मुंबई को साल भर पानी की आपूर्ति करने वाले सभी प्रमुख जलाशय और झीलें लगातार सूखती जा रही हैं, जिससे आने वाले दिनों में स्थिति बेहद भयावह हो सकती है।

सूखते जलाशयों ने बढ़ाई मुसीबत

मुंबई को पानी की सप्लाई करने वाली तानसा, मोदक सागर, भातसा और विहार जैसी प्रमुख झीलों में पानी का संचय लगातार अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच रहा है। जलाशयों में पानी के इस तेजी से खत्म होते स्टॉक को देखते हुए बृहन्मुंबई नगर निगम पहले से ही पूरे मुंबई महानगर में 10 फीसदी पानी की कटौती लागू कर चुका है। पानी की इस किल्लत के कारण मुंबईकरों को दैनिक कार्यों के लिए अभी से ही भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यदि जून के शेष दिनों में भी झीलों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश नहीं हुई, तो इस पानी की कटौती के प्रतिशत को और अधिक बढ़ाना पड़ सकता है।

अल नीनो के चलते मानसून की सुस्त चाल

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस साल मानसून के इतनी देरी से सक्रिय होने और सुस्त रफ्तार के पीछे वैश्विक मौसम चक्र में आया 'अल नीनो' का प्रभाव सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। अल नीनो के सक्रिय होने की वजह से न केवल मानसून की प्रगति धीमी हुई है, बल्कि इस पूरे साल सामान्य से कम वर्षा होने की आशंका भी जताई जा रही है। इस मौसमी बदलाव ने पर्यावरणविदों और कृषि विशेषज्ञों के साथ-साथ मुंबई के शहरी नीति निमार्ताओं को भी गहरी चिंता में डाल दिया है, क्योंकि मुंबई पूरी तरह से अपनी वार्षिक जलापूर्ति के लिए मानसूनी वर्षा पर ही निर्भर रहती है।

पूरा जून सूखा रहा तो खड़ी होगी बड़ी चुनौती

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वर्तमान सैटेलाइट तस्वीरों ने इस चिंता को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इन नवीनतम सैटेलाइट इमेजेस को देखने से पता चलता है कि महाराष्ट्र और उसके तटीय इलाकों के आस-पास अभी तक मानसूनी बादलों का कोई मजबूत सिस्टम या जमावड़ा तैयार नहीं हो सका है। मौसम विभाग के इस विश्लेषण से साफ है कि अगले कुछ दिनों तक मुंबई को तेज बारिश से राहत मिलने के आसार बेहद कम हैं। जानकारों का कहना है कि अगर यही स्थिति पूरे जून महीने तक बनी रही, तो मुंबई में पीने के पानी के लिए अभूतपूर्व संकट खड़ा हो जाएगा।

2 हफ़्तों में पाए बेदाग गोरापन अब झांसा देने वालों की खैर नहीं!

सौंदर्य प्रसाधनों पर एफडीए का चलेगा हंटर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

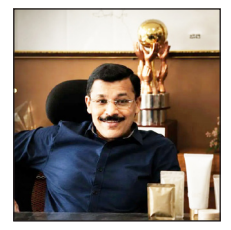

क्या आप भी महज 15 दिनों में चांद जैसा चेहरा और बेदाग निखार पाना चाहते हैं? टेलीविजन से लेकर सोशल मीडिया तक, ऐसे लुभावने विज्ञापनों की बाढ़ सी आ गई है। लेकिन सावधान! अगर आप भी इन चमत्कारी दावों के झांसे में आकर अपनी त्वचा पर कोई भी क्रीम या ब्यूटी प्रोडक्ट लगा रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए एक चेतावनी है। उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाली कॉस्मेटिक कंपनियों के खिलाफ अब खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने अपना हंटर चला दिया है।

तुकाराम मुंढे का कड़ा प्रहार

अपनी सख्त कार्यप्रणाली के लिए मशहूर अधिकारी तुकाराम मुंढे ने मुंबई में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। हाल ही में मुंबई में सौंदर्य प्रसाधनों के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की गई, जिसमें भारी मात्रा में अनियमितताएं पाई गईं। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 5.17 लाख रुपए का स्टॉक जब्त किया गया है। यह उन कंपनियों के लिए एक बड़ा संदेश है जो भ्रामक विज्ञापनों के जरिए जनता को ठगने का काम कर रही हैं।

फसवे विज्ञापन और घटिया क्वालिटी पर नकेल

अक्सर देखा जाता है कि कंपनियां सिर्फ 2 हफ्तों में गोरापन या रातों-रात झुर्रियां खत्म करने जैसे दावे करती हैं। सूत्रों के अनुसार, ऐसी कई कंपनियां न केवल भ्रामक विज्ञापन दे रही हैं, बल्कि उनके उत्पादों का दर्जा भी अत्यंत निकृष्ट है। ऐसे उत्पादों में हानिकारक रसायनों का उपयोग त्वचा को सुधारने के बजाय उसे गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। तुकाराम मुंढे ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बाजार में हड़कंप, उपभोक्ताओं को सतर्क रहने की सलाह

एफडीए की इस अचानक हुई कार्रवाई से सौंदर्य प्रसाधन बाजार में हड़कंप मच गया है। विशेष रूप से मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में उन विक्रेताओं और निमार्ताओं के बीच डर का माहौल है जो बिना उचित मानकों के उत्पादों की बिक्री कर रहे थे। प्रशासन का कहना है कि यह तो बस शुरूआत है; आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज किया जाएगा ताकि बाजार से नकली और हानिकारक उत्पादों का पूरी तरह सफाया हो सके।

क्यों जरूरी है यह कार्रवाई?

आजकल के दौर में लोग आकर्षक दिखने के लिए विज्ञापनों के जाल में जल्दी फंस जाते हैं। कंपनियां अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए बड़े-बड़े दावे तो करती हैं, लेकिन उन उत्पादों के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में जानकारी छुपा लेती हैं। एफडीए का यह हंटर न केवल आर्थिक धोखाधड़ी को रोकने के लिए है, बल्कि लोगों को त्वचा संबंधी रोगों और कैंसर जैसे खतरों से बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। अगर आप भी कोई नया ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदने की सोच रहे हैं, तो केवल विज्ञापनों की चमक-धमक न देखें।

हिंदमाता एंकरः सीएम देवेंद्र मुस्कुराकर बोले 'प्लीज, आसान सवाल पूछना

पत्रकार के सामने छूटे फडणवीस के पसीने!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का सामना अक्सर अनुभवी पत्रकारों के तीखे सवालों से होता है, लेकिन सोमवार को पनवेल के वहाल स्थित पीएम रायगड जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय में दौरे के दौरान एक स्कूली छात्रा द्वारा लिया गया उनका साक्षात्कार सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है। यह संवाद जितना सरल था, उतना ही प्रेरणादायक भी।

साक्षात्कार की शुरूआत और फडणवीस का मजाकिया अंदाज

साक्षात्कार की शुरूआत में ही छात्रा ने बड़े आत्मविश्वास के साथ उनका स्वागत किया और कहा कि अब हम इंटरव्यू की ओर बढ़ते हैं। इस पर फडणवीस ने मुस्कुराते हुए एक बच्चे जैसी मासूमियत से अनुरोध किया, आसान सवाल पूछना। जब छात्रा ने उनका पूरा नाम पूछा, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में अपना नाम देवेंद्र सविता चंद्रराव फडणवीस बताया।

छात्र आंदोलनों से शुरू हुआ सफर

बातचीत के दौरान जब उनकी सफलता की यात्रा पर सवाल हुआ, तो फडणवीस ने बताया कि उनके सार्वजनिक जीवन की नींव छात्र आंदोलनों में पड़ी थी। उन्होंने साझा किया कि किस तरह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में छात्रों की समस्याओं को सुलझाते-सुलझाते वे सामाजिक कार्यों की ओर प्रेरित हुए।

शिवाजी महाराज और बाबासाहेब से मिली प्रेरणा

सामाजिक कार्यों में आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बहुत ही गहरा संदेश दिया। फडणवीस ने कहा कि जब भी हम समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो हमें स्थापित व्यवस्था को बदलना पड़ता है, जो चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने प्रेरणा के स्रोत के रूप में छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम लिया, जिन्होंने स्वराज्य की स्थापना के लिए व्यवस्था से लड़ाई लड़ी, और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का उल्लेख किया, जिन्होंने मानवता और संविधान के लिए संघर्ष किया। उन्होंने बच्ची को समझाया कि यदि काम नेक हो, तो संघर्ष के बावजूद सफलता मिलती है।

साक्षात्कार का सबसे प्यारा क्षण

साक्षात्कार का सबसे प्यारा क्षण तब आया जब छात्रा ने उनके सबसे यादगार अनुभव के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सहजता से जवाब दिया कि उनके कार्यकाल के कई अनुभव हैं, लेकिन आज का यह साक्षात्कार भी उनके लिए हमेशा याद रहने वाला अनुभव रहेगा।

डिजिटल शिक्षा पर दिया जोर

अंत में, उन्होंने डिजिटल शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल में नई डिजिटल लैब के उद्घाटन की सराहना करते हुए कहा कि अब डिजिटल माध्यम से दुनिया की कोई भी चीज सीखी जा सकती है। उन्होंने बच्चों को इस तकनीक का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रा के थैंक यू के साथ यह यादगार मुलाकात समाप्त हुई, जिसने एक राजनेता और एक छात्र के बीच के खूबसूरत संवाद को दर्शाया।

10 करोड़ की केबल चोरी करने वाले दो गिरोहों को दबोचा

8 ट्रक एल्युमिनियम और तांबे के केबल जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

कानून का गढ़ का नारा देकर अपराधियों की नाकेबंदी करने वाली नाशिक शहर की पुलिस ने अब उद्योगों की सुरक्षा के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। शहर में बढ़ती केबल और औद्योगिक सामग्री चोरी की घटनाओं का कड़ा संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने तत्काल जांच के आदेश दिए थे। इसी के तहत उपायुक्त किरणकुमार चव्हाण और सहायक आयुक्त संदीप मिटके के मार्गदर्शन में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 10 करोड़ 42 लाख रुपए के माल के साथ दो शातिर गिरोहों को गिरफ्तार किया है। नाशिक पुलिस आयुक्तालय ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि औद्योगिक और सार्वजनिक बुनियादी ढांचा को निशाना बनाने वाले अपराधियों के लिए शहर में कोई सुरक्षित जगह नहीं है। पुलिस आयुक्त ने सभी टीमों को उद्योगों से जुड़े अपराधों पर तुरंत संज्ञान लेकर जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

विचार प्रवाह

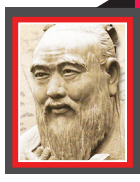

नफरत करना आसान है, प्रेम करना मुश्किल। चीजें इसी तरह काम करती हैं। सारी अच्छी चीजों को पाना मुश्किल होता है, और बुरी चीजें बहुत आसानी से मिल जाती हैं।

– कन्फ्यूशियस

संपादकीय

आस्था के साथ विश्वास की भी परीक्षा

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और धन की हेराफेरी का मामला केवल आर्थिक अनियमितता भर नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास से जुड़ा गंभीर विषय है। सदियों के संघर्ष, त्याग और लंबी प्रतीक्षा के बाद निर्मित यह भव्य मंदिर आज केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हिंदू समाज की आस्था, संस्कृति और गौरव का प्रतीक बन चुका है। ऐसे में यदि मंदिर में चढ़ाए गए दान के प्रबंधन में लापरवाही या भ्रष्टाचार की आशंका सामने आती है, तो यह स्वाभाविक है कि लोगों के मन में अनेक प्रश्न उठें। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि दान राशि में गड़बड़ी की जानकारी सामने आने के बाद भी तत्काल उच्चस्तरीय जांच की पहल नहीं की गई। आमतौर पर किसी भी सार्वजनिक संस्थान में वित्तीय अनियमितता का संकेत मिलते ही जांच और जवाबदेही की प्रक्रिया शुरू हो जाती है, लेकिन इस मामले में शुरुआत में जिस प्रकार गंभीरता का अभाव दिखाई दिया, उसने संदेह को और गहरा कर दिया। यह भी आश्चर्यजनक है कि कथित अनियमितताओं की चर्चा पहले राजनीतिक हलकों में हुई और उसके बाद मंदिर ट्रस्ट की ओर से सक्रियता दिखाई गई। इससे यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या दान राशि के प्रबंधन और निगरानी की व्यवस्था पर्याप्त रूप से मजबूत नहीं थी। मंदिरों में श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार दान करते हैं। वे यह विश्वास रखते हैं कि उनकी अर्पित राशि का उपयोग धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों में होगा। इसलिए दान की एक-एक पाई का पारदर्शी और सुरक्षित प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। यदि कहीं भी लापरवाही या भ्रष्टाचार की गुंजाइश रह जाती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक और धार्मिक स्तर पर भी पड़ता है। मामले में तब नई गंभीरता दिखाई दी जब दान राशि की गिनती से जुड़े कुछ लोगों के ठिकानों से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने की खबरें सामने आईं। इसके साथ ही कुछ व्यक्तियों द्वारा महंगी संपत्तियां खरीदने और विलासितापूर्ण जीवनशैली का प्रदर्शन करने की बातें भी चर्चा में आईं। यदि जांच में ये तथ्य सही साबित होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का मामला नहीं रहेगा, बल्कि पूरी व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर करेगा। यह भी जांच का विषय है कि यह कथित हेराफेरी कब से चल रही थी और संबंधित अधिकारियों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी। सकारात्मक पक्ष यह है कि अब विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। यह दल दानपात्रों की सुरक्षा, धनराशि की गिनती और बैंक में जमा करने की प्रक्रिया की जांच करेगा। लेकिन केवल वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा पर्याप्त नहीं होगी। जांच एजेंसियों को यह भी पता लगाना चाहिए कि प्रारंभिक स्तर पर निगरानी व्यवस्था क्यों विफल रही। यदि किसी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या मिलीभगत हुई है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें जवाबदेह बनाना आवश्यक है। विशेष रूप से यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि दानपात्र खोलने और राशि गिनने वाले कक्षों में शुरू से ही आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी। आज के समय में सीसीटीवी कैमरे, डिजिटल रिकॉर्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक ऑडिट और बैंकिंग निगरानी जैसी व्यवस्थाएं सामान्य मानी जाती हैं। देश के अनेक प्रमुख मंदिरों में इनका सफलतापूर्वक उपयोग हो रहा है। ऐसे में देश के सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों में से एक श्रीराम मंदिर में इन व्यवस्थाओं का अभाव समझ से परे है। यह घटना एक व्यापक संदेश भी देती है कि धार्मिक संस्थानों में पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। श्रद्धा और विश्वास किसी भी धार्मिक स्थल की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि दान की राशि के प्रबंधन पर सवाल उठने लगें, तो इससे भक्तों का मन आहत होता है और संस्था की साख पर भी असर पड़ता है। अंततः आवश्यक यह है कि जांच निष्पक्ष, व्यापक और समयबद्ध हो। दोषी चाहे किसी भी स्तर पर हों, उन्हें कानून के अनुसार दंड मिलना चाहिए। साथ ही ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की जानी चाहिएं कि भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो जाए। श्रीराम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है और उसकी पवित्रता केवल उसके भव्य स्वरूप से नहीं, बल्कि उसके संचालन में पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही से भी सुनिश्चित होगी। यही श्रद्धालुओं की अपेक्षा है और यही समय की मांग भी।

आज का इतिहास

■ 1606- जहांगीर के शासनकाल में गुरु अर्जुन देव को लाहौर (पाकिस्तान) में भयंकर यातना देकर मार डाला गया।

■ 1858- प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मोरार की लड़ाई लड़ी गई।

■ 1903- फोर्ट मोटर कंपनी चालू हुई।

■ 1983 - छत्तीसगढ़ के 'गुरु घासीदास विश्वविद्यालय' की स्थापना हुई।

■ 2001 - अमेरिकी राष्ट्रपति बुश की पांच दिवसीय यूरोप यात्रा रूस में समाप्त, पुतिन ने अमेरिकी प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम का विरोध किया।

■ 2006 - नेपाल में माओवादी अंतरिम सरकार में शामिल होने पर सहमत।

■ 2007-सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में लगातार सबसे लंबे समय तक रहने वाली महिला बनीं। एड्स पर जागरूकता फैलाने के लिए शिल्पा को सिल्वर स्टार अवार्ड से नवाजा गया।

■ 2008 -उत्तर प्रदेश राज्य वित्त मंत्रालयों का एक पैनल पेट्रोलियम ईंधनों पर बिक्रीकर में कटौती पर सहमत हुआ। मशहूर शायर वसीम बरेलवी को प्रथम फि राक गोरखपुरी पुरस्कार प्रदान किया गया। विश्व में इस्पात बनाने की सबसे बड़ी कंपनी आर्सेलर मित्तल ने अमेरिकी कंपनी बंभू स्टील का अधिग्रहण किया। प्रमुख माओवादी नेता पुष्पकमल दहल उर्फ.प्रचंड को नेपाल में शांति के क्षेत्र में दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान डॉक्टर दिली रमण रेगमी राष्ट्रीय शांति पुरस्कार प्रदान किया गया।

■ 1976 - रोहित श्रीवास्तव - भारत के एक प्रसिद्ध चिकित्सा वैज्ञानिक हैं।

■ 1936 - अखलाक मुहम्मद खान 'शहरयार' - उर्दू के मशहूर शायर थे।

■ 1931 - डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा - भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी थे।

■ 1920 - महमूद अली खां - भारत के प्रसिद्ध राजनीतिज्ञों में से एक तथा मध्य प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल।

■ 1920 - हेमंत कुमार - हिन्दी फिल्मों के पार्श्वगायक और संगीतकार

■ 1950 - मिथुन चक्रवर्ती - हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता।

■ 1910 - सी. एम. पुनाचा - स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतिज्ञ तथा उड़ीसा और मध्य प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल।

योजनाएं दमदार, व्यवस्था लाचार

जनहित की योजनाओं की सफलता अब प्रशासनिक जवाबदेही पर निर्भर है

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

सरकारी व्यवस्था में बदलाव केवल नई योजनाओं से नहीं आता, बल्कि उसे लागू करने वाले अधिकारियों की कार्यशैली से भी आता है। हाल ही में पासपोर्ट कार्यालय में एक युवा पहली बार पासपोर्ट बनवाने पहुंचा। वह अधिकारी से कई सामान्य सवाल पूछ रहा था। अधिकारी ने बिना झुंझलाहट और बिना अपमानजनक टिप्पणी किए उसे धैर्यपूर्वक सारी जानकारी समझाई। सरकारी कार्यालयों में इस तरह का व्यवहार कभी दुर्लभ माना जाता था, लेकिन अब कुछ जगहों पर सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। यह बदलाव तभी संभव होता है जब शीर्ष नेतृत्व स्वयं सकारात्मक सोच रखता हो।

जवाबदेही से बढ़ती है कार्यक्षमता

मुंबई कलेक्टर कार्यालय में अतिरिक्त जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत रहे रवी कटकधोंड ने सेतू सुविधा केंद्रों की कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान दिया था। यहां विभिन्न प्रकार के प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। उन्होंने व्यवस्था बनाई कि यदि कोई आवेदन दस दिनों से अधिक लंबित रहता है तो संबंधित अधिकारी को लिखित स्पष्टीकरण देना होगा। इसी प्रकार खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के आयुक्त के रूप में तुकाराम मुंढे ने हाल के दिनों में कई सख्त कार्रवाई की हैं। उनके कदमों के बाद कई होटल संचालकों को अपनी अनियमितताओं को सुधारने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसे उदाहरण बताते हैं कि इच्छाशक्ति हो तो व्यवस्था सुधर सकती है।

एक अधिकारी से सरकार की बदनामी

■ जहां कुछ अधिकारी व्यवस्था को बेहतर बनाते हैं, वहीं कुछ की लापरवाही पूरी सरकार की छवि खराब कर देती है। लातूर जिले में एक किसान परिवार की गरीबी की खबर सामने आई थी, जिसमें बैल न होने के कारण किसान की पत्नी स्वयं हल खींच रही थी। इस खबर के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तत्काल उस परिवार को बैल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। लेकिन संबंधित अधिकारी ने ऐसा कमजोर और अशक्त बैल दिया जो खेती के काम के योग्य ही नहीं था। इससे सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े हुए। ऐसी घटनाओं में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आवश्यक है, ताकि प्रशासन में जवाबदेही बनी रहे।

आम नागरिक की असली परेशानी

■ सामान्य नागरिक का सरकार से सीधा संपर्क कुछ चुनिंदा स्थानों पर ही होता है-जैसे नगर निगम, कलेक्टर कार्यालय, राशन दुकान, बिजली बिल केंद्र या सेतू सुविधा केंद्र। यहीं से उसकी सरकारी व्यवस्था के बारे में राय बनती है। सेतू केंद्रों पर मामूली शुल्क में प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है, लेकिन उन्हें प्राप्त करने के लिए लोगों को अक्सर कई चक्कर लगाने पड़ते हैं। ऑनलाइन सेवाओं का भी यही हाल है। वेबसाइटें कभी बंद रहती हैं, कभी तकनीकी खराबी से जूझती हैं और कभी इतनी धीमी होती हैं कि नागरिकों का काम समय पर नहीं हो पाता।

योजनाएं बनती हैं, लाभ नहीं पहुंचता

कृषि क्षेत्र में भी ऐसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। कई किसानों ने सरकारी योजना के तहत आम के पौधे लगाने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करने की कोशिश की, लेकिन संबंधित वेबसाइट लंबे समय तक चालू ही नहीं हुई। बाद में जिन किसानों ने पौधे लगाए, उन्हें आज तक प्रोत्साहन राशि नहीं मिल सकी। दूसरी ओर बड़े बिल्डर और प्रभावशाली लोग बिना किसी परेशानी के अपने सारे काम करवा लेते हैं। ऐसा लगता है कि पूरी व्यवस्था उनके लिए तेजी से काम करती है, जबकि आम नागरिक को छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

नई व्यवस्था, पुराने सवाल

राजस्व विभाग ने अब 'वर्टिकल सातबारा' लागू करने की घोषणा की है। इसके तहत बहुमंजिला इमारतों के प्रत्येक फ्लैट का अलग सातबारा रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। विचार आधुनिक और उपयोगी है, लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर कई सवाल हैं। मुंबई जैसे शहरों में जहां 50 मंजिला इमारतें आम हो चुकी हैं, वहां हर फ्लैट की खरीद-बिक्री और स्वामित्व रिकॉर्ड का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती होगी। यदि मौजूदा व्यवस्था में छोटे-छोटे कामों के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है, तो नई प्रणाली कितनी पारदर्शी और प्रभावी होगी, यह चिंता का विषय है।

लंबित मामलों का बढ़ता बोझ

पूर्व राजस्व सचिव नितीन करीर ने एक बैठक में जिलाधिकारियों से पूछा था कि क्या वे नियमित रूप से अपने लंबित मामलों का डैशबोर्ड देखते हैं। उनके अनुसार शायद ही किसी अधिकारी ने यह दावा किया हो कि उसके पास एक भी मामला लंबित नहीं है। यह स्थिति दर्शाती है कि प्रशासनिक मशीनरी में काम के निपटारे की गति अभी भी संतोषजनक नहीं है। लंबित फाइलें और अनिर्णीत मामले नागरिकों की परेशानियों को बढ़ाते हैं।

'वजन' की संस्कृति और बिचौलियों का खेल

नगर निगमों, कलेक्टर कार्यालयों और अन्य सरकारी विभागों में यह शिकायत आम है कि फाइलें तेजी से आगे बढ़ाने, अनुमति प्राप्त करने, जमीन संबंधी मामलों, संपत्ति रिकॉर्ड में बदलाव या अन्य प्रशासनिक कार्यों के लिए 'वजन' रखना पड़ता है। कई जगहों पर बिचौलियों का पूरा नेटवर्क सक्रिय है। लोग खुलेआम बताते हैं कि किस अधिकारी तक पहुंचने के लिए किस व्यक्ति के माध्यम से जाना होगा। यह स्थिति केवल भ्रष्टाचार का संकेत नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का भी प्रमाण है।

जवाबदेही तय करना जरूरी

सरकारें अक्सर अच्छे इरादों से योजनाएं बनाती हैं और मुख्यमंत्री स्तर पर उनकी गंभीरता भी दिखाई देती है। लेकिन यदि उन योजनाओं को लागू करने वाली व्यवस्था ही उदासीन, भ्रष्ट या गैर-जवाबदेह हो जाए, तो लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। इसलिए अब समय आ गया है कि केवल कानूनों और योजनाओं की चर्चा न हो, बल्कि उन्हें लागू करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए। तभी सरकार और जनता के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत हो सकेगा।

आंखनदेखी

फ्रांस के ब्यूलिवू-सुर-मेयर में जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने रविवार को नीस में भारतीय नवाचार और प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित करने वाले विशेष कार्यक्रम का भी संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

स्नैपचैट दोस्ती का खौफनाक अंजाम

● अकादमी में हुई पहचान, दुष्कर्म के बाद वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप

हिंदमाता नेटवर्क @ पंजाब

पंजाब के होशियारपुर जिले में एक 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक नाबालिग लड़के को गिरफ्तार किया है। आरोपी और पीड़िता एक ही निजी अकादमी में पढ़ते थे। घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया से बढ़ी नजदीकियां

पुलिस के अनुसार, आरोपी छात्र पीड़िता से सीनियर था और दोनों एक ही अकादमी में पढ़ते थे। पिछले वर्ष 23 अक्टूबर को आरोपी ने स्नैपचैट पर छात्रा को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। रिक्वेस्ट स्वीकार होने के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। धीरे-धीरे यह बातचीत नियमित होने लगी और दोनों की मुलाकातें भी अकादमी के आसपास होने लगीं। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने छात्रा का विश्वास जीत लिया और उससे पैसों की मांग भी करने लगा।

झांसा देकर ले गया दूसरे घर

शिकायत में कहा गया है कि 15 दिसंबर को आरोपी छात्रा को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गया। उसने बताया कि वह उसे अपनी दादी के घर ले जा रहा है, लेकिन वह किसी अन्य मकान में पहुंचा। वहां आरोपी ने कथित रूप से छात्रा के साथ जबरन दुष्कर्म किया। छात्रा ने विरोध किया, लेकिन आरोपी नहीं माना। घटना के बाद छात्रा सदमे और भय की स्थिति में आ गई।

वीडियो बनाकर करता रहा दबाव

पीड़िता के आरोप के अनुसार, दुष्कर्म के बाद आरोपी ने उसका आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया। इसके बाद उसने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर छात्रा को चुप रहने के लिए मजबूर किया। डर और बदनामी की आशंका के कारण छात्रा लंबे समय तक किसी को घटना की जानकारी नहीं दे सकी। इसी दौरान आरोपी कथित रूप से उस पर दबाव बनाता रहा और उससे पैसों की मांग भी करता रहा।

मां के सामने बयां किया दर्द

लगातार मानसिक तनाव झेल रही छात्रा ने आखिरकार एक दिन अपनी मां को पूरी घटना के बारे में बताया। बेटी की बात सुनकर मां ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

रविवार को शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सोमवार को आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों और साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है।

एक्स फाइल

पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज केस

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट तथा अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि नाबालिग पीड़ितों से जुड़े मामलों में कानून बेहद सख्त है और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाती है। साथ ही पीड़िता को हर संभव कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

फिर उठे सवाल

इस घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर होने वाली दोस्तियों और ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें सोशल मीडिया के संभावित खतरों के प्रति जागरूक करें। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ नियमित संवाद और सतर्क निगरानी ऐसे मामलों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

प्रेरक प्रसंग

तुम बेफिक्र रहो

चमन एक मेहनती माली था। एक दिन वह अपने परिचित राजेश के कहने पर संजीव के घर काम करने पहुंचा। संजीव उसके काम और ईमानदारी से बहुत प्रभावित हुआ। कुछ समय बाद चमन ने हिचकिचाते हुए अपने बेटे विजय के लिए नौकरी की बात छेड़ी। विजय स्नातक था और कंप्यूटर का कोर्स भी कर चुका था, लेकिन लंबे समय से बेरोजगार था। संजीव ने भरोसा दिलाया, मेरे दफ्तर में एक अवसर है। थोड़ा समय लगेगा, लेकिन मैं कोशिश करूंगा। तुम बेफिक्र रहो। यही शब्द चमन के लिए उम्मीद बन गए। उसने तुरंत विजय के सभी दस्तावेज संजीव को दे दिए। दिन बीतते गए, लेकिन नौकरी की कोई खबर नहीं आई। जब भी चमन पूछता, संजीव का एक ही जवाब होता-फाइल अप्रूवल में है, तुम बेफिक्र रहो। महीने गुजर गए। इस बीच विजय को छोटी-मोटी नौकरियों के अवसर मिले, लेकिन पिता को सरकारी नौकरी की आस थी, इसलिए उसने वे अवसर छोड़ दिए। हर बार नई उम्मीद जगती और फिर इंतजार बढ़ जाता। चमन की चिंता बढ़ती गई, लेकिन संजीव का आश्वासन कभी नहीं बदला। करीब एक साल बाद विजय को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। उसने शानदार प्रदर्शन किया और पैनल के सभी सदस्य उससे प्रभावित हुए। संजीव ने भी कहा कि परिणाम जल्द आएगा। अब चमन और विजय दोनों को विश्वास हो गया कि नौकरी लगभग तय है। लेकिन तीन महीने बाद भी नियुक्ति पत्र नहीं आया। परेशान होकर चमन ने राजेश से मदद मांगी। राजेश जब संजीव से मिलने गया तो एक कड़वा सच सामने आया। संजीव ने बताया कि विजय वास्तव में चयन के सबसे योग्य उम्मीदवारों में था, लेकिन अंतिम समय में एक मंत्री के भांजे को नौकरी देने का दबाव आया। अधिकारियों को परिणाम बदलना पड़ा और विजय का हक छिन गया।

■ संयोग से यह पूरी बातचीत बाहर खड़ा चमन सुन रहा था। उसकी आंखों से आंसू बह निकले। वर्षों की उम्मीद एक पल में टूट गई। वह चुपचाप घर लौट आया। पिता की आंखों में दर्द देखकर विजय सब समझ गया। दोनों कुछ देर तक खामोश बैठे रहे। फिर विजय ने अपने पिता का हाथ थामकर कहा, पिताजी, निराश मत होइए।

■ मैं अपनी मेहनत से जरूर सफल होऊंगा। कोई न कोई नौकरी मुझे जरूर मिलेगी। आप बेफिक्र रहो। उस दिन चमन को समझ आ गया कि झूठे आश्वासन से बड़ी कोई पीड़ा नहीं होती, लेकिन सच्ची मेहनत और आत्मविश्वास कभी व्यर्थ नहीं जाते।

राशिफल

मेष- रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे।

वृषभ-फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे। अजनबियों पर विश्वास से हानि हो सकती है।

मिथुन- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ। वाहन-मशीनरी खरीदी के योग हैं।

कर्क- नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

सिंह- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे। सुकर्मों के लाभकारी परिणाम मिलेंगे।

कन्या- जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। खर्चों में कमी करें। सश्रम किए गए कार्य पूर्ण होंगे।

तुला-भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। रुका धन मिलेगा।

वृश्चिक-भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी। दुस्साहस न करें। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

धनु- स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नाति के योग हैं। आलस्य से बचकर रहें। परिवार की मदद मिलेगी।

मकर- व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा।

कुंभ-पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा।

मीन-पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा।

पीएम मोदी का मास्टरस्ट्रोक

यूरोप में खुलेगा भारत का पहला AI चेयर

रक्षा से अंतरिक्ष तक हुए कई अहम समझौते

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्लोवाकिया यात्रा के दौरान भारत और स्लोवाकिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई देते हुए उन्हें व्यापक साझेदारी का दर्जा देने का फैसला किया। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है। दोनों देशों के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तकनीक भविष्य की साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ होगी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खोलेगी।

स्लोवाकिया में स्थापित होगा भारत का पहला AI चेयर

प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि स्लोवाकिया के Technical University of Kosice में आईसीसीआर (ICCR) चेयर ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्थापित किया जाएगा। यह दुनिया में अपनी तरह का पहला ICCR AI चेयर होगा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग मानवता की सेवा और प्रगति के लिए होना चाहिए तथा इसके विकास में नैतिक मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मोदी ने भारत और स्लोवाकिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय उपनिषदों का स्लोवाक भाषा में अनुवाद दोनों देशों की सांस्कृतिक निकटता का उत्कृष्ट उदाहरण है। पिछले वर्ष राष्ट्रपति Draupadi Murmu की स्लोवाकिया यात्रा के दौरान स्लोवाक राष्ट्रपति Peter Pellegrini ने उन्हें स्लोवाक भाषा में उपनिषदों की प्रति भेंट की थी।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर समर्थन

प्रधानमंत्री ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इसके जल्द लागू होने से दोनों पक्षों के उद्योगों, स्टार्टअप्स और व्यापारियों को बड़ा लाभ मिलेगा। मोदी ने स्लोवाकिया में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की भी सराहना करते हुए कहा कि वे वहां की अर्थव्यवस्था और समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने स्लोवाक प्रधानमंत्री Robert Fico को भारत का सच्चा मित्र बताते हुए उनके नेतृत्व की प्रशंसा की।

अंतरिक्ष और विज्ञान में भी बढ़ेगा सहयोग

प्रधानमंत्री मोदी ने याद दिलाया कि वर्ष 2017 में स्लोवाकिया का पहला उपग्रह भारत की मदद से अंतरिक्ष में भेजा गया था। उन्होंने कहा कि भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है और स्लोवाक कंपनियों को इसमें भागीदार बनने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर Indian National Science Academy और Slovak Academy of Sciences के बीच वैज्ञानिक सहयोग संबंधी समझौते पर भी हस्ताक्षर हुए। दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में एक लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए, जिससे संयुक्त अनुसंधान, संयुक्त उत्पादन और रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। नागरिक परमाणु ऊर्जा भी दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है।

मुकेश अंबानी ने किए बदरीनाथ-केदारनाथ के दर्शन, मंदिर समिति को दान दिए 10 करोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सोमवार को भगवान बदरीविशाल और बाबा केदारनाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को दस करोड़ रुपये का दान भी दिया। बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि उद्योगपति मुकेश अंबानी सुबह पहले बदरीनाथ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान बदरीविशाल के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदारनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना की। बदरी-केदारनाथ दर्शन कर मुकेश अंबानी ने बीकेटीसी को दस करोड़ रुपये के दो चेक भेंट किए। इनमें बदरीनाथ धाम की व्यवस्थाओं के लिए पांच करोड़ रुपये और केदारनाथ धाम के लिए पांच करोड़ रुपये दिए। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि अंबानी परिवार की भगवान बदरीविशाल और बाबा केदारनाथ के प्रति गहरी आस्था है। बीकेटीसी के पदाधिकारियों ने मुकेश अंबानी का स्वागत कर उन्हें प्रसाद भेंट किया।

DRDO ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का किया सफल परीक्षण

हिंदमाता नेटवर्क @ भुवनेश्वर

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने सोमवार को ओडिशा तट के पास डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात विभिन्न ट्रैकिंग उपकरणों द्वारा कैप्चर किए गए आंकड़ों के अनुसार, परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरी तरह से सफल रहे।

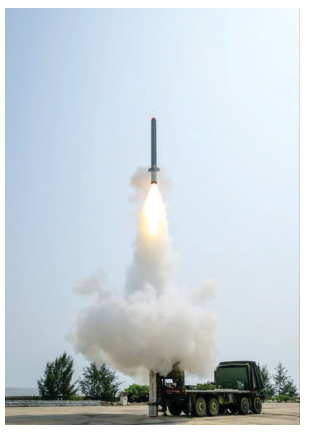

पूरी तरह स्वदेशी है मिसाइल

यह लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल पूरी तरह से एक स्वदेशी मिसाइल है। इसके सभी सब-सिस्टम को विभिन्न डीआरडीओ लैब और भारतीय उद्योग भागीदारों द्वारा विकसित किया गया है। बेंगलुरु स्थित वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान इस परियोजना की नोडल प्रयोगशाला है। इस सफल परीक्षण के साक्षी डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारी और भारतीय नौसेना व भारतीय वायु सेना के उपयोगकर्ता प्रतिनिधि भी बने।

रक्षा मंत्री और DRDO अध्यक्ष ने दी बधाई: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने LRLACM के सफल उड़ान परीक्षण पर डीआरडीओ की टीम को बधाई दी है। वहीं, रक्षा सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने लॉन्च के दौरान सभी गतिविधियों की निगरानी की। उन्होंने इस सफल उड़ान परीक्षण में शामिल टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की।

107 दिनों में अब तक 13 भारतीयों की मौत

जानिए मिडिल ईस्ट में कब और कहां हुए घातक हमले

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब भारतीय नागरिकों पर भी दिखाई देने लगा है। पिछले 107 दिनों में Middle Est में हुए हमलों और सैन्य कार्रवाइयों में कम से कम 13 भारतीयों की जान जा चुकी है। इनमें समुद्री हमले, ड्रोन स्ट्राइक, मिसाइल अटैक और तेल टैंकरों पर की गई सैन्य कार्रवाई शामिल हैं। ताजा हमले की बात करें तो Strait of Hormuz और उसके आस-पास के समुद्री इलाकों में मात्र 4 दिनों के भीतर अमेरिका ने तीन बड़े तेल टैंकरों (Oil Tankers) को अपना निशाना बनाया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन तीनों जहाजों पर भारतीय क्रू मेंबर्स सवार थे। इस गंभीर मुद्दे पर भारत सरकार ने भी कड़ा रुख अपनाया। विदेश मंत्रालय (MEA) ने अमेरिकी हमलों में भारतीय नागरिकों की मौत पर गहरा विरोध जताते हुए दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के टॉप राजनयिक को तलब किया और अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है।

ताजा अमेरिकी हमले: 4 दिनों में 3 जहाजों पर बमबारी

एमटी सेट्टेबेलो (10 जून): ओमान की खाड़ी में पलाऊ देश के झंडे वाले इस कच्चे तेल के टैंकर पर अमेरिकी सेना ने भीषण हमला किया। इस जहाज को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) की एक कंपनी चला रही थी और इस पर 24 भारतीय नाविक सवार थे। अमेरिकी बमबारी में तीन भारतीय नाविकों की दर्दनाक मौत हो गई।

एमटी मारिवेक्स (8 जून): अमेरिकी विमानवाहक पोत (Aircraft Carrier) 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' से उड़े एक लड़ाकू विमान ने इस जहाज के इंजन रूम पर मिसाइल दागी। हमले से जहाज में बड़ा छेद हो गया और आग लग गई। खुशकिस्मती से इस पर सवार सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया।

एमटी जलवीर (11 जून): अमेरिकी फाइटर जेट्स ने इस तेल टैंकर पर दो हेलफायर मिसाइलें दागीं। इस जहाज पर 20 भारतीय सवार थे, जिन्हें ओमान की नौसेना की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया।

US-Iran Connlict में अब तक 13 भारतीयों की मौत

28 फरवरी को पश्चिम एशिया में शुरू हुए इस संघर्ष के बाद से खाड़ी देशों और समुद्र में अब तक कम से कम 13 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है। जांच में सामने आया है कि इनमें से 7 घटनाएं सीधे तौर पर ईरानी हमलों से जुड़ी हैं, जबकि बाकी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और संदिग्ध हमलों का नतीजा हैं।

कब और कहां भारतीयों ने गंवाई अपनी जान

1 मार्च: नीदरलैंड से सऊदी अरब जा रहे इस टैंकर पर ओमान के तट के पास एक सुसाइड बोट से हमला किया गया। जहाज पर 16 भारतीय थे, जिनमें से मुंबई के रहने वाले 33 वर्षीय एक नाविक की मौत हो गई।

1 मार्च: ओमान के पास ही इस दूसरे टैंकर को निशाना बनाया गया। यह जहाज ईरानी तेल ले जाने के कारण अमेरिकी प्रतिबंधों की रडार पर था। इसमें कैप्टन आशीष कुमार और क्रू मेंबर दिलीप सिंह की मौत हो गई।

11 मार्च: इराक के बसरा के पास फारस की खाड़ी में अमेरिकी टैंकर पर हमला हुआ। इसमें मुंबई के रहने वाले चीफ इंजीनियर देवनंदन प्रसाद सिंह की जान चली गई।

13 मार्च: ओमान के सोहार शहर में ईरानी ड्रोन हमले की चपेट में आने से वहां मजदूरी कर रहे दो भारतीय नागरिकों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।

18 मार्च: ईरान द्वारा सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर दागी गई मिसाइलों की चपेट में आने से एक भारतीय नागरिक मारा गया।

26 मार्च: संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि हुई।

29 मार्च और 3 जून: कुवैत पर हुए ईरानी हमलों में दो भारतीयों की मौत हुई। 29 मार्च को तमिलनाडु के संथानसेल्वम कृष्णन (37) और 3 जून को कुवैत एयरपोर्ट पर हुए हमले में मध्य प्रदेश के उज्जैन के रहने वाले मंजूर अहमद (55) ने अपनी जान गंवा दी।

कमर्शियल जहाज निशाने पर

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे Busy Maritime trade routes में से एक है, जहां से Global oil supply का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के कारण दोनों देश एक-दूसरे को आर्थिक और रणनीतिक चोट पहुंचाने के लिए इन Commercial Vessels को निशाना बना रहे हैं। Global Merchant Navy में बड़ी संख्या में भारतीय नाविक काम करते हैं, जिसके कारण इस अंतरराष्ट्रीय संघर्ष का खामियाजा निर्दोष भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है।

ट्रांसजेंडर कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: अलग-अलग अदालत में सुनवाई पर लगाई रोक, केंद्र की याचिका पर नोटिस जारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें देश के विभिन्न हाईकोर्टों में लंबित उन याचिकाओं को अपने पास स्थानांतरित करने की मांग की गई है, जो ट्रांसजेंडर पर्सन्स (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स) अमेंडमेंट एक्ट, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक और केरल हाईकोर्ट सहित कई अदालतों में कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से जवाब मांगा है।

सुनवाई में क्या हुआ?

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एक केंद्रीय कानून की संवैधानिक वैधता को कई हाईकोर्टों में चुनौती दी गई है। वहीं, इससे जुड़े मामले पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह या तो सभी मामलों की सुनवाई खुद करेगा या फिर किसी एक हाईकोर्ट को इन मामलों की सुनवाई सौंपेगा। ताकि एक ही मुद्दे पर अलग-अलग अदालतों से विरोधाभासी फैसले न आएं।

केंद्र की मांग का विरोध किया

तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक 'नालसा' फैसले का भी जिक्र किया और कहा कि हाईकोर्टों के लिए उस फैसले में तय सिद्धांतों के विपरीत राय देना कठिन हो सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि इस मुद्दे पर बड़ी पीठ द्वारा विचार किए जाने की आवश्यकता पड़ सकती है। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने केंद्र की मांग का विरोध करते हुए कहा कि संशोधित कानून को चुनौती केवल 'नालसा' फैसले के आधार पर नहीं दी गई है। उनका तर्क था कि यह कानून 'न केवल असंवैधानिक है बल्कि इसका कोई चिकित्सीय आधार भी नहीं है।'

अगली सुनवाई अगस्त में

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया और राजस्थान, कर्नाटक, केरल तथा दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित मामलों की आगे की सुनवाई पर फिलहाल रोक लगा दी। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी। केंद्र सरकार ने पहले भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सभी संबंधित मामलों को एक जगह स्थानांतरित करने की मांग की थी। सरकार का कहना है कि अलग-अलग हाईकोर्टों में चल रही सुनवाई से एक ही संवैधानिक प्रश्न पर अलग-अलग फैसले आ सकते हैं।

पिछले सुनवाई में क्या हुआ?

पिछले महीने भी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले की जल्द सुनवाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का ध्यान आकर्षित किया था। उस समय मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा था कि कभी-कभी अलग-अलग हाईकोर्टों की राय भी उपयोगी हो सकती है, लेकिन मामले को जल्द सूचीबद्ध करने पर विचार किया जाएगा। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब विभिन्न हाईकोर्टों और सुप्रीम कोर्ट में संशोधित कानून की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को चुनौती देने वाली एक याचिका पर नोटिस जारी किया था और मामले को तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया था। याचिकाकताओं का कहना है कि नया संशोधन सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक 'नालसा' फैसले में मान्यता प्राप्त लैंगिक पहचान के आत्म-पहचान के सिद्धांत को कमजोर करता है।

'हम शांति चाहते हैं, लेकिन अशांति फैलाने वालों को शांत करना जानते हैं: राजनाथ सिंह

हिंदमाता नेटवर्क @ आगरा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को जोर देकर कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है, लेकिन यह अपनी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों से अच्छी तरह से निपटने में पूर्ण रूप से सक्षम है। यहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, "हम शांति चाहने वाले लोग हैं, लेकिन जो लोग अशांति फैलाते हैं, उन्हें स्थायी रूप से शांत करना हमें आता है।" राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकार की यह कहते हुए आलोचना की कि 2014 से पहले आतंकवादी हमले आम थे और उस समय के राजनेता आतंकवाद के प्रति नरम रवैया अपनाते थे।

■ उन्होंने कहा, "आज हमारे सशस्त्र बलों को पूरी स्वतंत्रता है। यदि कोई आतंकवादी हमला होता है तो आतंकवादियों को खत्म कर दिया जाता है। यदि उन्हें खत्म करने के लिए सीमा पार करना आवश्यक है तो यह भी किया जाना चाहिए।" अर्थव्यवस्था को लेकर सिंह ने कहा कि भारत फिलहाल विश्व की सबसे तेजी से प्रगति कर रही अर्थव्यवस्था वाला देश है और यह एक प्रमुख विनिर्माण स्थल के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, "आईफोन का विनिर्माण भारत में किया जा रहा है और पूरे विश्व को इसकी आपूर्ति की जा रही है। वर्ष 2014 से पहले निराश और हताश रहा भारत अब उम्मीद, ऊर्जा, विश्वास और संकल्प से परिपूर्ण है।" सिंह ने कहा, "इस बदलाव के पीछे का कारण लोगों का विश्वास और इस सरकार का सही इरादा एवं नीतियां हैं।" महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि महान शासक की बहादुरी और बलिदान किसी सरकार या इतिहासकार की मंजूरी की मोहताज नहीं है। सिंह ने कहा, "अकबर चला गया, मुगल चले गए और यहां तक कि उनके वंशज भी इतिहास के पन्नों में खो गए। लेकिन महाराणा प्रताप हर भारतीय के दिल में बसे हुए हैं।"

अपनी कमाई और खर्च का ब्योरा दे आरएसएस : मंत्री प्रियांक खरगे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कर्नाटक सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच विवाद खड़ा हो गया है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर संगठन की कानूनी स्थिति, पंजीकरण, फंडिंग के सोर्स, आय-व्यय और जवाबदेही से जुड़े कई गंभीर सवाल पूछे हैं और इसे सार्वजनिक करने की मांग की है। खरगे का कहना है कि पारदर्शिता और संवैधानिक जवाबदेही बनाए रखना किसी भी संगठन के लिए जरूरी है। आरएसएस के 100 साल पूरे होने पर बधाई देते हुए मंत्री ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को एक पत्र लिखा। उन्होंने इस पत्र को सोशल मीडिया पर भी साझा किया। खरगे ने कहा कि जो संगठन भारत और विदेशों में 60,000 से ज्यादा शाखाएं और करोड़ों स्वयंसेवक होने का दावा करता है, उसे कानून का पालन भी करना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि स्थापना के शताब्दी वर्ष के मौके पर आरएसएस को केवल जश्न नहीं मनाना चाहिए, बल्कि संवैधानिक आत्मनिरीक्षण भी करना चाहिए।

आरएसएस खुद को रजिस्टर कराए, अपनी गतिविधियों और पैसों का हिसाब दे

मंत्री ने पत्र में लिखा कि भारत को सबसे अच्छी श्रद्धांजलि यही होगी कि आरएसएस खुद को रजिस्टर कराए, अपनी गतिविधियों और पैसों का हिसाब दे, सभी जरूरी टैक्स भरे और भारतीय कानून के दायरे में रहकर काम करे। प्रियांक खरगे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे हैं। उन्होंने कर्नाटक की एक हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि राज्य में आरएसएस की 4,127 दैनिक शाखाएं, 1,389 साप्ताहिक मिलन और 60 मासिक मंडलियां सक्रिय हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में आरएसएस ने 2,194 समाजोत्सव आयोजित किए, जिनमें लगभग 19.61 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा, राज्य भर में 562 रूट मार्च निकाले गए, जिनमें 2.21 लाख वर्दीधारी स्वयंसेवक शामिल हुए। मंत्री ने तर्क दिया कि इतने बड़े पैमाने पर सार्वजनिक लामबंदी और रूट मार्च करने वाले संगठन को 'निजी या अनौपचारिक' व्यवस्था नहीं माना जा सकता।

मोहन भागवत से इस पत्र का औपचारिक जवाब देने की अपील

उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम नागरिक, मजदूर संगठन, एनजीओ, ट्रस्ट, मंदिर और कंपनियां कानून के तहत रजिस्ट्रेशन कराते हैं और हिसाब देते हैं, तो आरएसएस को इससे छूट क्यों मिलनी चाहिए? खरगे ने मांग की कि आरएसएस अपने पदाधिकारियों के नाम, दान के स्रोत और खर्च का विवरण सार्वजनिक करे। उन्होंने पूछा कि बिना किसी औपचारिक रजिस्ट्रेशन के इतने बड़े स्तर पर काम करने का संवैधानिक आधार क्या है? मंत्री ने कहा कि जो संगठन राष्ट्रवाद, अनुशासन और कर्तव्य की बात करता है, उसे पारदर्शिता दिखाकर संविधान के प्रति सम्मान जाहिर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरएसएस आम भारतीयों से तो नियमों के पालन की उम्मीद करता है, लेकिन खुद को इन मानकों से अलग नहीं रख सकता। उन्होंने मोहन भागवत से इस पत्र का औपचारिक जवाब देने की अपील की है।

जहां रहते थे सम्राट-तेजस्वी; अब वहां रहेंगे निशांत, 2 देशरत्न मार्ग बंगला रामकृपाल यादव को मिला

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

पांच देशरत्न मार्ग बंगला अब स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को आवंटित कर दिया गया है। पांच देशरत्न मार्ग बंगला पूर्व में उपमुख्यमंत्री के लिए कर्णांकित हुआ था। बाद में जब सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने तो कुछ दिनों के लिए इस बंगले को मुख्यमंत्री आवास यानी एक अणे मार्ग का विस्तारित हिस्सा बना दिया गया था। कुछ दिनों बाद ही इस बंगले को एक अणे मार्ग से अलग कर दिया गया। इसके बाद यह बंगला किसी को आवंटित नहीं हुआ था।

तेजस्वी को भी मिला था यह बंगला

मंत्रियों के लिए आवंटित होने वाले बंगले में पांच देशरत्न सबसे अधिक सुसज्जित बंगला है। एक समय उपमुख्यमंत्री के रूप में सुशील मोदी, तारकिशोर प्रसाद और तेजस्वी यादव के नाम यह बंगला आवंटित हुआ था। जब सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री बने तब उनके नाम से भी यह बंगला आवंटित हुआ था। सम्राट चौधरी इस बंगले से अपना काम-काज संपादित करते थे।

रामकृपाल को मिला 2 देशरत्न मार्ग बंगला

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार को भवन निर्माण विभाग ने पूर्व में दो देशरत्न मार्ग बंगला आवंटित किया था। अब उस बंगले को सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव को आवंटित कर दिया गया है।

हवाई चप्पल वालों ने किया हवाई जहाज का सफर..

किसान बोले- सपना हुआ साकार

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी क्रम में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को पहली उड़ान लखनऊ के लिए रवाना हुई, जो कई किसानों के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक पल बन गई। इस उड़ान की सबसे खास बात यह रही कि इसमें यात्री के रूप में वे किसान भी सवार थे, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी जमीन दी थी। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे किसानों के चेहरे पर खुशी, गर्व और भावुकता साफ दिखाई दी। वे अपने गांव से सीधे प्रदेश की राजधानी में उतरे थे। जेवर की रहने वाली पूनम ने बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के लिए उनकी जमीन अधिग्रहीत हुई थी। उन्होंने कहा कि आज पहली बार हवाई जहाज में बैठने का अवसर मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों का सम्मान बढ़ाया है। पूनम ने बताया कि वह मुख्यमंत्री से मिलने आईं हैं और इस अवसर को जीवन का सबसे सुखद पल मानती हैं।

योगी आदित्यनाथ का किया धन्यवाद

किसान धर्मवीर शर्मा ने कहा कि उनके गांव में विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है। उन्होंने कहा कि हवाई चप्पल पहनने वाले किसानों को हवाई जहाज में बैठाकर सरकार ने यह साबित कर दिया है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही उसकी प्राथमिकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह का विशेष आभार जताते हुए कहा कि किसानों से किया गया हर वादा पूरा किया गया है। उड़ान में शामिल हिरा रशीद भी बेहद उत्साहित नजर आईं।

हवाई चप्पल वालों को जहाज में बैठाया

किसान हाजी जफर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने ऐसा काम किया है कि हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज में बैठा दिया। उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण के दौरान घर-घर जाकर किसानों की सहमति ली गई थी और किसानों ने खुशी-खुशी अपनी जमीन दी। हाजी जफर ने कहा कि उन्हें इस विकास कार्य पर गर्व है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है और इससे आम लोगों का जीवन बदल रहा है। उन्होंने कहा कि योगी जी मुस्लिम समाज में काफी लोकप्रिय हैं क्योंकि उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ भेदभाव के बिना सभी लोगों तक पहुंचाया है। सभी को सुरक्षा दी है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा अयोध्या राम मंदिर में दान चोरी का मामला

सीजेआई से स्वतंत्र जांच की गुहार

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान में कथित चोरी और गड़बड़ियों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मामले पर सुनवाई के लिए सीजेआई सूर्य कांत से गुहार लगाई गई है। वकील अनूप अवस्थी ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लेने और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच की मांग की है। याचिका में FIR दर्ज करने और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए कोर्ट की निगरानी में जांच के निर्देश देने की भी मांग की गई है। हालांकि सीजेआई सूर्य कांत ने वकीलों से अनुरोध किया है, कि कोर्ट में किसी केस की मौखिक मेंशनिंग न करें। इसकी जगह पर कृपया लिखित नोट दें, फिर हम देखेंगे कि क्या जरूरी है और क्या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि हम जमानत की सभी अर्जियों, व्यक्तिगत स्वतंत्रता वगैरह से जुड़े मामलों को लिस्ट करेंगे।

योगी सरकार ने जांच को बनाई एसआईटी टीम

इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन का ऐलान किया। अधिकारियों के अनुसार श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसआईटी टीम गठित की गई। यह टीम तीर्थ क्षेत्र में दानपात्रों के संबंध लगाए जा रहे आरोपों की जांच कर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

मुझे नहीं लगता कि जांच में ढिलाई होगी : नृपेंद्र

SIT के गठन पर राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा, जिस गति से ये फैसला लिया गया है वह अपने में प्रशंसा की बात है। मुझे पता लगा है कि एसआईटी की टीम ने शीर्ष स्तर पर मार्गदर्शन और आशीर्वाद के लिए मुख्यमंत्री योगी से भेंट करने का अनुरोध किया है। उसके तत्काल बाद वो यहां पर आकर अपनी जांच शुरू करेंगे।

दान चोरी पर अखिलेश लगातार हमलावर

दूसरी ओर, राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला लगातार छाया हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर में चढ़ावे की रकम में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि यदि भगवान राम से जुड़े पवित्र कार्य के लिए दिए गए दान और चढ़ावे की चोरी या उसके दुरुपयोग के आरोप लग रहे हैं।

शॉर्ट स्टोरी

प्रिंस यादव की हत्या का किस पर लगा आरोप?

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार में पटना के फैजल खान उर्फ खान सर से जुड़े चर्चित कोचिंग विवाद और ज्ञान बिंदु एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद के छोटे भाई प्रिंस यादव की नेपाल में हुई संदिग्ध मौत का मामला अब राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। पुलिस कोचिंग संस्थानों के बीच हुए विवाद और फायरिंग प्रकरण और फिर एकाएक प्रिंस की मौत की जांच में जुटी है। इस बीच लालू प्रसाद के बड़े बेटे और जेजेडी सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने खान सर पर गंभीर आरोप लगा दिए है। ज्ञान बिंदु के निदेशक रौशन आनंद के छोटे भाई प्रिंस यादव की नेपाल के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। इस घटना के बाद परिजनों और समर्थकों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। कोचिंग विवाद में जेल में बंद रौशन आनंद हाल ही में अदालत से जमानत मिलने के बाद अपने भाई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सहरसा पहुंचे हैं। इसी बीच तेज प्रताप यादव ने एक बयान में कहा कि ये बहुत दुखद घटना है। उन्होंने दावा किया कि प्रिंस यादव की मौत के लिए खान सर की भूमिका की जांच होनी चाहए और कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। तेज प्रताप के इस बयान के बाद मामला और अधिक चर्चा में आ गया। हालांकि खान सर ने इससे ठीक पहले एक वीडियो संदेश जारी कर प्रिंस यादव की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया था और इसे बेहद संवेदनशील एवं दुखद घटना बताया। खान सर ने कहा था कि सच्चाई सामने लाने के लिए मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। उन्होंने रौशन आनंद और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में वह उनके साथ खड़े हैं और हर संभव सहायता देने को तैयार हैं। खान सर ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति के साथ ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए, चाहे वह उसका सबसे बड़ा विरोधी ही क्यों न हो। अपने बयान में खान सर ने घटना की परिस्थितियों पर सवाल भी उठाए।

बाबर-अकबर का बने म्यूजियम, लोग प्रतिमा पर थूकें

बोले पूर्व भाजपा विधायक संगीत सोम

हिंदमाता नेटवर्क @ मेरठ

मेरठ के सरधना से भाजपा के पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने क्षेत्र में आयोजित एक सम्मान समारोह के मंच से जनता को संबोधित करने के बाद मीडिया के सामने मुगलों और इतिहास को लेकर एक बेहद तीखा और विवादित बयान दिया है। संगीत सोम ने देश में बाबर, अकबर और हुमायूं जैसे विदेशी आक्रांताओं और शासकों का म्यूजियम बनाने की मांग उठाई है। उन्होंने इस मांग के पीछे तर्क दिया कि नई पीढ़ी को यह पता चलना चाहिए कि सनातनियों पर कितने अत्याचार हुए और कितने मंदिर तोड़े गए। पूर्व विधायक ने इन शासकों की प्रतिमाओं पर जनता द्वारा गुस्सा जाहिर करने की बात कहकर अपना विरोध दर्ज कराया।

'प्रतिमाओं पर थूकने और जूते मारने' की मांग

संगीत सोम ने कहा कि देश में इन मुगल शासकों के म्यूजियम बनने चाहिए ताकि देश की जनता को पता लगे कि आक्रमणकारियों ने यहां संघर्ष कर रहे लाखों सनातनियों को कुचल दिया था। उन्होंने विवादित अंदाज में कहा कि इस म्यूजियम में लोग उनकी प्रतिमा पर रोज थूकने जाएं और रोज जूते मारें। संगीत सोम के अनुसार, इस तरीके से देश के लोगों को अपने भीतर सैकड़ों सालों से दबे हुए प्रतिशोध को बाहर निकालने का एक अवसर मिल सकेगा।

अखिलेश यादव की बेटी पर टिप्पणी का विरोध

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की बेटी पर सोशल मीडिया या अन्य जगह की गई अभद्र टिप्पणी का कड़ा विरोध करते हुए भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा कि इस तरह की हरकत कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बेटी किसी की भी हो, बेटी आखिर बेटी होती है और वह भी हमारी बेटी है। उन्होंने मांग की कि ऐसी अभद्र टिप्पणी करने वाले लोगों के खिलाफ तुरंत और सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। भारत के मुसलमानों पर बात करते हुए संगीत सोम ने कहा कि देश का जो सच्चा मुसलमान है, वह हमसे बेहद प्यार करता है, लेकिन जिसे पाकिस्तान से प्यार है वह भला हमसे प्यार क्यों करेगा।

पुलिस की दबिश से डरकर गोमती नदी में कूदे दो जुआरी, एक का शव बरामद

हिंदमाता नेटवर्क @ बाराबंकी

बाराबंकी जिले के कोठी थाना क्षेत्र के पहला गांव में पुलिस की दबिश के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। दरअसल, पुलिस को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेले जाने की सूचना मिली थी, जिस पर दारोगा विशेष कुमार कुरील की टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देखते ही मौके पर भगदड़ मच गई और पकड़े जाने के डर से दो आरोपी पास ही बह रही गोमती नदी में कूद गए। इनमें से एक युवक तैरकर बाहर निकलने में कामयाब रहा, लेकिन सराय रावत निवासी घनश्याम साहू नदी की गहराई में लापता हो गया। सोमवार सुबह एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने घंटों की तलाश के बाद घनश्याम का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली-यूपी से चुराकर केरल में बेचता था कार

22 साल बाद पकड़ा गया

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

केरल के कन्नूर में चोरी की गाड़ियां बेचने के आरोप में 22 साल से फरार चल रहे एक व्यक्ति को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान हरियाणा के पलवल जिले के घोड़ी गांव के रहने वाले 60 वर्षीय बलदेव सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, बलदेव सिंह उत्तर भारत के कई राज्यों से कथित तौर पर गाड़ियां चुराता था, फिर ओडिशा से फर्जी कागजात बनवाकर उन्हें कन्नूर में बेच देता था। उसके खिलाफ 2004 में कन्नूर टाउन पुलिस थाने में इस गिरोह से जुड़े करीब 10 मामले दर्ज किए गए थे। एक मामले में गिरफ्तारी के बाद वह जमानत पर छूटा और फिर फरार हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि चोरी की गाड़ियों की तलाश में जब दूसरे राज्यों की पुलिस टीमें कन्नूर पहुंचीं, तब इस धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, बलदेव सिंह के खिलाफ ज्यूडिशियल फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट कोर्ट में कई वारंट लंबित थे, जिनमें लंबे समय से लंबित एलपी वारंट भी शामिल था। पुलिस ने कहा कि वह दो दशक से ज्यादा समय तक गिरफ्तारी से बचता रहा और इस दौरान हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में रह रहा था। इसी दौरान उसने एक राजनीतिक दल भी जॉइन किया और जिला स्तर का नेता बन गया। कन्नूर जिले में लंबे समय से लंबित मामलों को निपटाने के अभियान के दौरान पुलिस को उसका सुराग मिला।

नीट से पहले बड़ा खुलासा, टेलीग्राम पर बिक रहा 'असली पेपर'!

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट का नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। पिछले महीने ही पेपर लीक के बाद परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे। मामला इतना बढ़ा कि परीक्षा को लेकर बड़े स्तर पर जांच शुरू हुई, कई गिरफ्तारियां हुईं और कई राज्यों में छापेमारी तक हुई। अब जबकि 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित होने जा रही है, उससे पहले बिहार से सामने आई एक घटना ने फिर अभ्यर्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। मुजफ्फरपुर में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो नीट परीक्षा का कथित प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के नाम पर छात्रों और उनके परिजनों से ऑनलाइन ठगी कर रहा था। गिरोह टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर युवाओं को अपने जाल में फंसा रहा था। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले गिरोह के मुख्य आरोपी को जेल भेजा जा चुका है। अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया पर ऐसे ग्रुप और चैनल चला रहे थे, जहां नीट परीक्षा का असली प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा किया जाता था। छात्रों और अभिभावकों को भरोसा दिलाया जाता था कि उनके पास परीक्षा से पहले ही पेपर पहुंच जाएगा और इसके बदले मोटी रकम मांगी जाती थी। परीक्षा की तैयारी में जुटे हजारों छात्र और उनके परिवार बेहतर भविष्य की उम्मीद में ऐसे झांसों का शिकार बन जाते थे। आरोपियों ने इसी मनोविज्ञान का फायदा उठाकर ठगी का पूरा नेटवर्क खड़ा कर लिया था। मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के अनुसार, 2 जून को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सिकंदरपुर थाना क्षेत्र से संचालित एक गिरोह नीट परीक्षा का फर्जी प्रश्नपत्र तैयार कर उसे टेलीग्राम के जरिए बेच रहा है।

काशी स्टेशन के पास से मस्जिद हटाने के लिए रेलवे का नोटिस

20 जून तक का अल्टीमेटम

हिंदमाता नेटवर्क @ काशी

काशी रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण और मॉडल स्टेशन परियोजना को गति देने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशन परिसर के आसपास स्थित अतिक्रमण को चिह्नित कर उन्हें हटाया जा रहा है। इसी क्रम में काशी स्टेशन के समीप स्थित गन शहीदा मस्जिद को हटाने के लिए रेलवे की ओर से नोटिस जारी किया गया है। रेलवे प्रशासन ने मस्जिद प्रबंधन को 20 जून तक का समय देते हुए स्थल खाली करने का निर्देश दिया है।

पहले भी हटाए जा चुके हैं धार्मिक ढांचे

रेलवे और जिला प्रशासन ने काशी रेलवे स्टेशन और उसके आसपास पहले भी चिन्हित कर अतिक्रमण हटाए हैं। काशी रेलवे स्टेशन के किला कोहना (राजघाट) क्षेत्र में स्थित हनुमान मंदिर और अजगेब शहीद मस्जिद और मजार को भी रेलवे एवं जिला प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई के तहत हटाया जा चुका है। उस दौरान भी प्रशासन ने पूर्व सूचना और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कार्रवाई की थी।

क्या है मामला

रेलवे की ओर से संबंधित स्थल पर नोटिस चस्पा किया गया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि भूमि रेलवे की संपत्ति है और प्रस्तावित विकास कार्यों को पूरा करने के लिए उक्त स्थान को खाली कराया जाना आवश्यक है। रेलवे की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। रेलवे मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना के तहत काशी रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत स्टेशन भवन का विस्तार, यात्रियों के लिए बेहतर प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग व्यवस्था, यात्री सुविधाओं का विस्तार, सौंदर्यीकरण, ट्रैफिक प्रबंधन और स्टेशन के आसपास के क्षेत्र का पुनर्विकास किया जाना प्रस्तावित है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि स्टेशन के विस्तारीकरण और प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिए आसपास की रेल भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना आवश्यक है। इसी वजह से विभिन्न स्थलों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन की नजर संवेदनशीलता पर

रेलवे द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद प्रशासनिक स्तर पर भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है। शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। वहीं स्थानीय स्तर पर लोगों की प्रतिक्रिया और मस्जिद प्रबंधन के रुख पर भी नजर बनी हुई है। अब 20 जून की समय-सीमा नजदीक आने के साथ यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

उन्नाव में सुबह-सुबह एनकाउंटर, मारा गया बाबा मिलन हत्याकांड का आरोपी

हिंदमाता नेटवर्क @ उन्नाव

यूपी के उन्नाव जिले में संत बाबा मिलन दास हत्याकांड के मुख्य आरोपी और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश इजराइल उर्फ इसराइल को पुलिस और एसओजी टीम ने मुठभेड़ में मार गिराया। यह कार्रवाई आज सुबह तड़के बांगरमऊ थाना क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर की गई। मुठभेड़ के दौरान एक उपनिरीक्षक और एसओजी का एक सिपाही भी घायल हो गया। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब 3:40 बजे थाना बांगरमऊ पुलिस और एसओजी टीम आगरा एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि संत बाबा मिलन दास हत्याकांड में वांछित और एक लाख रुपये का इनामी अपराधी इजराइल उर्फ इसराइल ताजपुर अंडरपास के पास अपने किसी साथी का इंतजार कर रहा है।

फरार होने की फिराक में की फायरिंग

सूचना मिलते ही पुलिस और एसओजी टीम ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी की। पुलिस ने आरोपी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन फरार होने की फिराक में उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक एक गोली उपनिरीक्षक न्यूटन कुमार सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। वहीं दूसरी गोली एसओजी के आरक्षी विकास भदौरिया के हाथ में लगी, जिससे वह घायल हो गए। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें इजराइल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांगरमऊ ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चाकू से गोदकर की थी बाबा मिलन की हत्या

पुलिस के अनुसार इजराइल उर्फ इसराइल ने पर 9 जून 2026 को संत बाबा मिलन दास की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद वह फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।पुलिस ने आरोपी के पास से एक चाकू, एक 315 बोर का तमंचा और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कल से खुलेंगे उत्तर प्रदेश के स्कूल

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के लाखों छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के लिए बड़ी खबर है। लंबे गर्मी अवकाश के बाद प्रदेश के स्कूल अब दोबारा खुलने जा रहे हैं। कल से छात्र अपनी कक्षाओं में लौटेंगे और नियमित पढ़ाई की शुरुआत होगी। इस वर्ष भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई थीं ताकि बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखा जा सके। अब अवकाश समाप्त होने के बाद एक बार फिर स्कूलों में पढ़ाई का माहौल लौटेगा और नया शैक्षणिक क्रम गति पकड़ेगा। छुट्टियों के दौरान छात्रों ने घर पर रहकर आराम करने के साथ-साथ अपनी पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में समय बिताया। स्कूल खुलने से पहले प्रशासन और स्कूल प्रबंधन की ओर से आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्कूल परिसरों में साफ-सफाई, पेयजल की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और छात्रों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा कक्षाओं की स्थिति, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा की गई है ताकि छात्रों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शिक्षकों ने भी आगामी शैक्षणिक कार्यक्रमों की तैयारी कर ली है और छुट्टियों के बाद पढ़ाई को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने की योजना बनाई है। हालांकि उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में अभी भी गर्मी का असर बना हुआ है। ऐसे में छात्रों और अभिभावकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बच्चों को स्कूल जाते समय पानी की बोतल साथ रखने, हल्के और आरामदायक कपड़े पहनने तथा स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी गई है। स्कूल खुलने के साथ ही कक्षाएं, प्रोजेक्ट कार्य, सह-शैक्षणिक गतिविधियां और अन्य कार्यक्रम भी दोबारा शुरू होंगे। स्कूल प्रशासन का उद्देश्य है कि छात्र छुट्टियों के बाद जल्दी से पढ़ाई के माहौल में ढल सकें और नए सत्र को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाया जा सके।

हिंदमाता एंकरः भाजपा को हराने वाला जो भी होगा, उसका स्वागत है, लेकिन सियासी जानकार मानते हैं कि अंतिम फैसला अखिलेश यादव को ही करना है

क्या 2027 में साथ आएंगे अखिलेश और ओवैसी? यूपी में गठबंधन की अटकलें तेज

हिंदमाता संवाददाता @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी भले दूर हो, लेकिन सियासी बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है। इसी बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इच्छा जताकर नई बहस छेड़ दी है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने भी कहा है कि भाजपा को हराने वाला जो भी होगा उसका हम स्वागत करेंगे। सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव ओवैसी को अपने साथ लाएंगे? और आखिर यूपी में मुस्लिम वोट बैंक इतना अहम क्यों माना जाता है? इन सारे सवालों का जवाब हम इस रिपोर्ट में जानेंगे। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का सपना देख रही है, तो समाजवादी पार्टी 2027 में सरकार बनाने की तैयारी में जुटी है। ऐसे माहौल में छोटे और क्षेत्रीय दल भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में बहराइच पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की इच्छा जताते हुए गेंद अखिलेश यादव के पाले में डाल दी है। ओवैसी ने कहा है, अगर कोई बीजेपी को रोकने की कोशिश करता है मैं उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हूं।

यूपी में एआईएमआईएम अबतक नहीं कर पाई है कमाल

असदुद्दीन ओवैसी का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्षी राजनीति में मुस्लिम वोटों की भूमिका को लेकर नई रणनीतियां बन रही हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन को मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा समर्थन मिला था, जिसका सीधा फायदा सीटों में दिखाई दिया। अब सवाल यह है कि क्या सपा उस वोट बैंक में एआईएमआईएम को हिस्सेदार बनाना चाहेगी? हालांकि, एआईएमआईएम का यूपी विधानसभा रिकॉर्ड अभी तक कमजोर रहा है। 2017 में 38 सीटों पर लड़कर 37 पर जमानत जब्त हुई। 2022 में करीब 100 सीटों पर लड़ने के बावजूद वोट शेयर महज 0.43% रहा। लेकिन, स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया।

रामगोपाल ने किया स्वागत, लेकिन अखिलेश के सामने ये दिक्कत

असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा है कि भाजपा को हराने वाला जो भी होगा, उसका स्वागत है, लेकिन सियासी जानकार मानते हैं कि अंतिम फैसला अखिलेश यादव को ही करना है। सपा की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि ओवैसी गठबंधन में आते हैं तो एक वर्ग में सकारात्मक संदेश जा सकता है, लेकिन दूसरी ओर पार्टी की व्यापक सामाजिक गठबंधन की रणनीति प्रभावित भी हो सकती है। दरअसल, बीजेपी की कोशिश है कि चुनाव हिंदुत्व के मुद्दे पर हो, जबकि सपा चाहती है कि चुनाव का मुद्दा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अगड़ा या अल्पसंख्यक) हो। ओवैसी के साथ आने के बाद अखिलेश को बीजेपी आसानी से घेर लेगी।

मुस्लिम वोटों के लिए सपा को एआईएमआईएम की जरूरत नहीं

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोट बैंक बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। राज्य की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, लेकिन कई जिलों और विधानसभा सीटों पर यह प्रतिशत 30 से 50 फीसदी तक पहुंच जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार प्रदेश की 120 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर मुस्लिम मतदाता चुनाव परिणाम को सीधे प्रभावित करने की स्थिति में रहते हैं। यही वजह है कि समाजवादी पार्टी लंबे समय से मुस्लिम-यादव समीकरण को अपनी राजनीतिक ताकत मानती रही है।

ट्रंप की डील पर भड़का इजरायल, रक्षा मंत्री बोले- हम ट्रंप के गुलाम नहीं

अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र

हिंदमाता नेटवर्क @ येरुशलम

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम करने और युद्ध समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर सहमति बनने के बाद इजरायल की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। इजरायल के रक्षामंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता में हुई डील इजरायल पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इजरायल अपने फैसले लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। इजरायल की तरफ से यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अस्थायी संघर्षविराम पर शुरुआती सहमति बनने के बाद सामने आया। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार, 19 जून को स्विट्जरलैंड में होगा।

पाकिस्तान ने किया स्वागत

ईरान-अमेरिका के बीच समझौत का पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वागत किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा, काफी बातचीत के बाद हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। दोनों पक्षों ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और हमेशा के लिए रोकने का ऐलान किया है।

ट्रंप ने किया ऐलान

ईरान के साथ समझौते होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई। मैं इसके जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी रोक-टोक के खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया भर के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल की सप्लाई शुरू होने दो।

यह केवल 60 दिनों के लिए युद्धविराम

युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते पर, तेल अवीव स्थित जेरूसलम सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड फॉरेन अफेयर्स के डायरेक्टर जनरल और डायरेक्टर ऑफ कम्युनिकेशंस, सागीव स्टीनबर्ग कहते हैं, राष्ट्रपति ट्रंप ने कल ट्वीट किया कि हमारे पास एक शांति समझौता है। लेकिन जहां तक मैं देख पा रहा हूं, यह कोई शांति समझौता नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि यह 60 दिनों के लिए युद्धविराम है, क्योंकि जब समझौता अभी तक पब्लिश नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि समझौते की डिटेल जानने के लिए हमें शुक्रवार तक इंतजार करना होगा।

न फूल, न माला स्लोवाकिया में पीएम मोदी का ब्रेड और नमक से हुआ स्वागत

जानिए इसके पीछे का रहस्य

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के अगले चरण में स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा पहुंच चुके हैं। होटल पहुंचने पर प्रवासी भारतीयों ने मोदी-मोदी और भारत माता की जय के नारों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दौरा न केवल कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि ऐतिहासिक भी है क्योंकि 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली आधिकारिक यात्रा है।

ब्रेड और नमक से स्लोवाक संस्कृति का अनूठा सम्मान

ब्रातिस्लावा पहुंचने पर पीएम मोदी का स्वागत स्लोवाक संस्कृति की सबसे पुरानी और सम्मानित परंपरा ब्रेड और नमक के साथ किया गया। स्लाव परंपराओं में इस रीति-रिवाज का गहरा महत्व है। यहां ब्रेड को जीवन-पोषण और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, जबकि नमक को मूल्य, स्थायी मित्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। यह परंपरा दर्शाती है कि स्लोवाक लोग अपने मेहमानों का स्वागत कितनी आत्मीयता और सद्भावना के साथ करते हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

स्वागत समारोह के दौरान केवल कूटनीति ही नहीं, बल्कि संस्कृति का भी अद्भुत संगम देखने को मिला। लुचनिका एन्सेम्बल ने वंदे मातरम की शानदार प्रस्तुति दी, जिसने माहौल को देशभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। इसके अलावा, स्लोवाकिया के प्रसिद्ध म्यूजिकल ग्रुप महादेव कीर्तन प्रोजेक्ट ने एक आध्यात्मिक प्रस्तुति दी, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री मंत्रमुग्ध नजर आए।

इन अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी से मुलाकात करेंगे। इस उच्च स्तरीय वार्ता का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, ऑटोमोबाइल और रेलवे निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है।

फ्रांस यात्रा के बाद स्लोवाकिया पहुंचे पीएम

स्लोवाकिया आने से पहले पीएम मोदी ने फ्रांस का दौरा किया था, जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से हुई। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और डिजिटल तकनीक सहित 19 से अधिक महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों देशों ने मिलकर इन्नोवेशन रोडमैप 2030 को भी लागू किया है। अब स्लोवाकिया के साथ भी भारत इसी तरह के मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंधों की उम्मीद कर रहा है।

बिजनेस वर्ल्ड

युद्ध विराम के बीच भारत के लिए खुशखबरी, एक्सपोर्ट में हुई बढ़ोतरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत के एक्सपोर्ट सेक्टर से अच्छी खबर आई है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में देश का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 18% बढ़कर 45.20 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इंपोर्ट भी बढ़कर 73.41 अरब डॉलर हो गया, लेकिन इस बीच ट्रेड डेफिसिट में कमी आई है। मई में घाटा 28.21 अरब डॉलर दर्ज किया गया। जो कि अप्रैल में 28.38 अरब डॉलर रहा था। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने कहा कि मई उन महीनों में शामिल रहा, जिनमें सबसे ज्यादा मासिक एक्सपोर्ट ग्रोथ देखने को मिली। उन्होंने बताया कि मिडिल ईस्ट क्राइसिस के कारण पहले प्रभावित हुए एक्सपोर्ट में अब रिकवरी दिखाई दे रही है। खासकर यूएई, सऊदी अरब, जॉर्डन और यमन को होने वाले एक्सपोर्ट में सुधार दर्ज किया गया है। यह सुधार ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की दिशा में शुरुआती समझौते की घोषणा हुई है और एनर्जी सप्लाई के लिए अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के दोबारा खुलने की उम्मीद बढ़ी है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन और तेल व्यापार को राहत मिल सकती है। अग्रवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत का एक्सपोर्ट बेस लगभग दोगुना हो गया है, जबकि सर्विस एक्सपोर्ट में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। सरकार को उम्मीद है कि नए फ्री ट्रेड डील लागू होने के बाद एक्सपोर्ट ग्रोथ को और गति मिलेगी। सरकार यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन जैसे साझेदारों के साथ हुए समझौतों का लाभ एक्सपोर्टर्स तक पहुंचाने के लिए राज्यों में वर्कशॉप भी आयोजित करेगी। जहां एक ओर मई में इंपोर्ट और एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी हुई है। वहीं, दूसरी ओर सोने के आयात में भी तेजी आई है।

3 रुपए तक कम हो सकती है पेट्रोल-डीजल की कीमतें, तेल पर है सरकार की नजर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान समझौते की घोषणा के साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से आई है। सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 4% से ज्यादा की गिरावट आई। अब देखना ये है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी लाकर भारत की आम जनता को केंद्र सरकार कब तक राहत मुहैया कराती है। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बादल छंटने की खबर आते ही ब्रेंट क्रूड 4% से ज्यादा गिरकर लगभग 83.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। डबल्यूटीआई क्रूड लगभग 5% गिरकर करीब 80.87 डॉलर प्रति बैरल हो गया। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक सरकार स्थितियों पर नजर बनाए हुए है। देश की तेल विपणन कंपनियों ने हार्मुज स्ट्रेट में तनाव के दौर में भारी नुकसान उठाया है। केंद्र ने भी उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। इसके बावजूद जब नुकसान काबू से बाहर गया तब दामों में बढ़ोत्तरी की गई। इसकी भरपाई एक दिन में नहीं की जा सकती। सूत्रों का कहना है कि आगे सबकुछ सही रहा तो सरकार आम जनता को जरूर राहत देगी। फिलहाल स्थितियों पर नजर रखी जा रही है, अभी संकट के बादल छट रहे हैं। आसमान साफ होने दीजिए। जाहिर है कि पेट्रोल-डीजल के दामों में भी कमी आएगी। सूत्रों का कहना है कि भारत की तेल विपणन कंपनियां हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हुए नुकसान की भरपाई कर रही हैं, क्योंकि तब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। इस दौर में कंपनियों ने काफी समय तक इसका पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला था। लेकिन मई के बीच से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7 रुपये से 8 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। कच्चे तेल की कीमतों के नीचे आने के साथ अगर इसमें स्थिरता कायम रहेगी तो कंपनियों के नुकसान की जल्द भरपाई हो जाएगी। मार्च में सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 3 रुपये प्रति लीटर कम कर दी थी। जबकि डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर शून्य कर दी थी, क्योंकि टैक्स की दरें पहले से ही काफी कम स्तर पर हैं इस वजह से टैक्स में कटौती के जरिए तुरंत और राहत देने की गुंजाइश काफी कम है। ऐसे में दामों के नीचे आने के साथ उनमें स्थिरता कायम रहने पर ही सरकार आम जनता को राहत देने का कदम आगे बढ़ाएगी। याद रहे कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85% से ज्यादा निर्यात करता है।

70 साल की हुई देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने सफर के 70 साल पूरे कर लिए हैं। साल 1956 में महज 5 करोड़ रुपये की पूंजी से शुरू हुई यह संस्था आज 57 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियों का प्रबंधन कर रही है। बाजार में कई नई निजी कंपनियों के आने और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी ने अपनी बादशाहत कायम रखी है। आज भी जीवन बीमा क्षेत्र के करीब 60 फीसदी बाजार पर इसका कब्जा है। एलआईसी के सीईओ और एमडी आर। दोरईस्वामी का कहना है कि कंपनी भविष्य में अपनी इस लीडरशिप को न सिर्फ बरकरार रखेगी, बल्कि नए डिजिटल अवतार के साथ देश के विकास में अपना योगदान भी बढ़ाएगी। एलआईसी के सीईओ दोरईस्वामी बताते हैं कि जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है, एलआईसी भी तरक्की करती है। इसी तरह एलआईसी की ग्रोथ से देश की अर्थव्यवस्था को ताकत मिलती है। एक आम नागरिक के तौर पर जब कोई एलआईसी में अपनी गाढ़ी कमाई का निवेश करता है, तो वह पैसा सिर्फ उसके भविष्य को सुरक्षित नहीं करता, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने में भी काम आता है। आने वाले सालों में जब भारत विकसित भारत की ओर कदम बढ़ाएगा, तब भी एलआईसी इस महायज्ञ में एक प्रमुख स्तंभ के रूप में खड़ी रहेगी। आज के समय में बीमा सेक्टर में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। लेकिन एलआईसी का लक्ष्य सिर्फ अपनी मौजूदा जगह बचाना नहीं है। प्रबंधन का मानना है कि मुकाबला बढ़ने पर भी कंपनी बाजार में अपनी बड़ी बढ़त कायम रखेगी। अपने 75वें और 100वें साल की तरफ बढ़ते हुए एलआईसी की कोशिश है कि वह देश के हर कोने, खासकर ग्रामीण इलाकों तक अपनी पहुंच को और ज्यादा आसान बनाए। एक सितंबर 1956 को जब 245 कंपनियों का राष्ट्रीयकरण करके एलआईसी की स्थापना हुई थी, तब इसका मूल मकसद यही था कि बीमा का सुरक्षा कवच गांव-गांव तक पहुंच सके।

अफ्रीका में बढ़ेगा एयरटेल का दबदबा, कंसोलिडेशन के लिए शेयरधारकों से मिली मंजूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

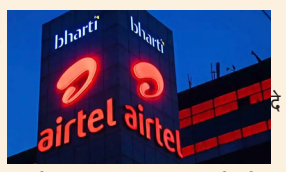

देश की दिग्गज की टेलीकॉम ऑपरेटर कंपनी भारती एयरटेल को 100 प्रतिशत शेयरधारकों ने एयरटेल अफ्रीका में स्टेक कंसोलिडेशन को मंजूरी दी है। एयरटेल अपने प्रमोटर ग्रुप कंपनी इंडियन कंटिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से एयरटेल अफ्रीका में 16.31 फीसदी हिस्सेदारी शेयर-स्वैप के जरिए खरीदेगी। इसके बदले में प्रमोटर कंपनी को एयरटेल के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इस लेनदेन के तहत प्रमोटर ग्रुप कंपनी इंडियन कंटिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के पास मौजूद एयरटेल अफ्रीका की 16.31 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले भारती एयरटेल अपने 14.68% करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। भारती एयरटेल के नए शेयर 1923 रुपये प्रति स्टॉक के रेट पर जारी किए जाएंगे, जो सेबी के तय फ्लोर प्राइस से अधिक है। बता दें कि 12 जून को यह डील फाइनल हुआ है। इसके तहत भारती एयरटेल शेयर के लिए जो प्राइसिंग निर्धारित की गई है, वह 11 जून को बंद भाव के तुलना में 9.5 प्रतिशत प्रीमियम पर है। वहीं, एयरटेल अफ्रीका के शेयर जो अधिग्रहण किया गया है वह 11.6% छूट पर किया गया है। फिलहाल भारती एयरटेल को अपने शेयरधारकों से स्पेशल रिजॉल्यूशन के लिए अप्रूवल मिली है। अब कंपनी को नियामक मंजूरी की आवश्यकता होगी। सभी अप्रूवल मिलने और डील पूरा होने के बाद एयरटेल अफ्रीका में भारती एयरटेल की प्रभावी हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 49% हो जाएगी। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि एयरटेल अफ्रीका हमारी विकास रणनीति के केंद्र में है और यह हमारे एकीकृत राजस्व में लगातार योगदान के साथ मजबूत प्रदर्शन देने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी हमेशा सर्वोच्च मानकों के कॉर्पोरेट गवर्नेंस और वित्तीय अनुशासन के अनुसार संचालित हुई है, और यह जोरदार समर्थन उस विश्वास को पुनः स्थापित करता है जो निवेशकों को संगठन में है।

दहल उठा यूक्रेन! रूस का अब तक का सबसे भयावह हमला

कीव पर बरसाए 600 ड्रोन और 70 मिसाइलें, 11 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मॉस्को

रूस ने रात के अंधेरे में यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया। सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलें दागीं, जिसमें 11 लोग मारे गए और 1000 साल पुराना एक मशहूर चर्च भी जल गया। 15 जून की रात रूस ने यूक्रेन के दो सबसे बड़े शहरों - राजधानी कीव और दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर एक साथ हमला किया। ये हमला रात को हुआ जब लोग सो रहे थे। रूस ने एक साथ 70 मिसाइलें और 611 ड्रोन दागे। यानी कुल मिलाकर 681 हथियार एक ही रात में। यूक्रेन की सेना ने इनमें से 632 को हवा में ही मार गिराया। यानी 50 मिसाइलें और 582 ड्रोन रोके गए। लेकिन फिर भी 20 बैलिस्टिक मिसाइलें और 27 ड्रोन यूक्रेन के 42 अलग-अलग जगहों पर जा गिरे।

कीव में क्या-क्या तबाह हुआ?

कीव के शेवचेनकिव्स्की इलाके में 30 मिनट से भी कम समय में 5 बार हमले हुए। एक 25 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग पर हमला हुआ। एक बाजार और एक किराने की दुकान में आग लग गई। ओबोलोंस्की इलाके में 9 मंजिला रिहायशी इमारत सीधे निशाने पर आई। आसमान में काले धुएं के बादल छा गए। कीव में जोरदार धमाकों की आवाजें गूंजती रहीं और लोग अंडरग्राउंड शेल्टर में छुपते रहे।

कितना नुकसान हुआ?

11 आम लोग और इमरजेंसी वर्कर मारे गए। 53 लोग घायल हुए। कीव में अकेले 5 लोगों की मौत हुई और 30 से ज्यादा घायल हुए - जिनमें 5 और 6 साल के दो छोटे बच्चे भी शामिल हैं।

सबसे बड़ा नुकसान - 1000 साल पुराना चर्च जला

इस हमले में कीव का सबसे मशहूर धार्मिक स्थल कीव-पेचेर्स्क लावरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ये एक 11वीं सदी का मठ है यानी करीब 1000 साल पुराना। इसे 'मोनेस्ट्री ऑफ द केव्स' यानी गुफाओं का मठ भी कहते हैं। यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया हुआ है। इस परिसर में कई चर्च और इमारतें हैं जो 11वीं से 19वीं सदी के बीच बनी हैं। इनके नीचे 600 मीटर से भी लंबी गुफाओं का एक पूरा जाल है।

हमने 14 इंडियन क्रू को बचाने में मदद की...

अरब सागर रेस्क्यू को लेकर बोला अमेरिका

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए बताया कि 14 जून को उत्तरी अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के एक सर्च एंड रेस्क्यू हेलिकॉप्टर ने 14 भारतीय नाविकों को बचाने में मदद की। सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सबसे पहले अमेरिकी नौसेना का 'पी-8' निगरानी विमान घटनास्थल पर पहुंचा। उसने समुद्र में एक सर्च एंड रेस्क्यू किट गिराई, जिसमें एक लाइफ राफ्ट (बचाव नौका) भी शामिल थी। सभी 14 भारतीय नाविक इस लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए। इसके बाद एमवी जबल अली 9 नाम का जहाज घटनास्थल पर पहुंचा और लाइफ राफ्ट से 11 नाविकों को सुरक्षित निकाल लिया।

तीन नाविकों की जान हेलिकॉप्टर की मदद से बचाई गई

न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत पर तैनात एमएच-60 सी हॉक हेलिकॉप्टर ने 14 नाविकों में शामिल उन तीन अन्य नाविकों को बचाया, जिनकी लाइफ राफ्ट खराब मौसम और ऊंची लहरों के कारण पलट गई थी। बाद में इन तीनों को भी एमवी जबल अली 9 पर पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत अच्छी थी और उनका मनोबल भी ऊंचा था।

ट्रंप ने फ्रांस को दी खुली चेतावनी, टेक टैक्स हटाओ, वरना फ्रेंच वाइन-शैंपेन पर लगाएंगे 100% टैरिफ

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस को डिजिटल सेवा कर को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि यदि फ्रांस अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर लगाया गया डिजिटल सेवा कर तुरंत समाप्त नहीं करता, तो अमेरिका फ्रांस से आने वाली वाइन, शैंपेन और अन्य संबंधित शराब उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से सीधे कहा है कि अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगाया गया यह कर समाप्त किया जाए। उनका कहना है कि यह कर अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है और इसे जारी रखना उचित नहीं है। ट्रंप ने कहा कि यदि फ्रांस यह कर हटा देता है, तो अतिरिक्त टैरिफ लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

क्या है डिजिटल सेवा कर विवाद?

फ्रांस ने वर्ष 2019 में बड़ी डिजिटल और टेक्नोलॉजी कंपनियों पर 3 प्रतिशत डिजिटल सेवा कर लागू किया था। यह कर उन कंपनियों पर लागू होता है जो फ्रांस में राजस्व अर्जित करती हैं। इसके दायरे में फेसबुक, अमेजन, एप्पल और गूगल जैसी प्रमुख अमेरिकी कंपनियां आती हैं। फ्रांस का तर्क है कि ये कंपनियां देश में भारी मुनाफा कमाती हैं, लेकिन अपेक्षित कर का भुगतान नहीं करतीं।

खैबर पख्तूनख्वा में पाक वायुसेना का विमान क्रैश

हादसे में 2 पायलटों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को पाकिस्तानी वायुसेना का एक ट्रेनिंग विमान मरदान जिले में क्रैश हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब विमान एक नियमित सैन्य अभ्यास पर था। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई है, जबकि सड़क पर मौजूद तीन स्थानीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, विमान ट्रेनिंग मिशन पर था, उड़ान के दौरान उसमें कुछ तकनीकी दिक्कत आ गई। जिसके बाद विमान अनियंत्रित होकर एक स्थानीय सड़क के पास जा गिरा। विमान के जमीन से टकराते ही उसमें जोरदार धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि उड़ा रहे दोनों पायलटों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की पुष्टि करते हुए गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बताया कि मृत पायलटों की पहचान कैप्टन कासिम और कैप्टन तलहा के तौर पर हुई है।

सीसीटीवी में कैद हुआ मौत का तांडव

इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फुटेज में देखा जा सकता है कि व्यस्त सड़क पर गाड़ियां सामान्य रूप से गुजर रही हैं। तभी अचानक आसमान से एक जेट सीधे सड़क के बीचों-बीच आकर गिरता है। जिस समय यह विमान गिरा, वहां से दो मोटरसाइकिल सवार गुजर रहे थे। विमान के टकराते ही सड़क पर आग की एक लंबी और सीधी रेखा बन गई। हालांकि उन बाइक सवारों की वर्तमान स्थिति को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

कांगो में इबोला का कहर तेज

24 घंटे में 72 नए मामलों की हुई पुष्टि

हिंदमाता नेटवर्क @ कांगो

कांगो में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, रविवार को केवल 24 घंटों में 72 नए संक्रमित मरीज मिले, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 782 हो गई है। इसी अवधि में 32 नई मौतों की पुष्टि हुई, जिसके बाद मृतकों का आंकड़ा 181 तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संक्रमितों की संख्या सरकारी आंकड़ों से अधिक हो सकती है, क्योंकि 15 मई को प्रकोप की आधिकारिक घोषणा से पहले ही संक्रमण कई क्षेत्रों में फैल चुका था। हालात को और गंभीर बनाते हुए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग कवरेज रेट घटकर 56 प्रतिशत रह गया है, जिससे संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ना मुश्किल हो रहा है।

बुंडीबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण फैला इबोला का संक्रमण

जानकारी के मुताबिक इस बार इबोला वायरस का संक्रमण बुंडीबुग्यो वायरस स्ट्रेन के कारण फैला है, जो अपेक्षाकृत दुर्लभ माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसके खिलाफ फिलहाल कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। इसके विपरीत, कांगो में पहले सामने आए अधिकांश इबोला प्रकोप जैरे स्ट्रेन से जुड़े थे, जिनके लिए वैक्सीन और उपचार विकल्प मौजूद हैं।

डब्ल्यूएचओ और अफ्रीका सीडीसी ने बढ़ाए प्रयास

बढ़ते संकट को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने टेस्टिंग, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और मरीजों के इलाज की प्रक्रिया को तेज करने की घोषणा की है। वहीं, अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन भी लैब सिस्टम को मजबूत बनाने, सक्रिय केस खोजने और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

हिंदमाता एंकर टेक-ऑफ के तुरंत बाद ही विमान में कुछ तकनीकी खराबी नजर आने लगी और वह हवाई अड्डे के पास ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया

उड़ान भरते ही क्रैश हुआ स्काईडाइविंग विमान, अमेरिका के मिसौरी में बड़ा हादसा, पायलट समेत 12 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ वॉशिंगटन

अमेरिका के मिसौरी राज्य से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। रविवार की सुबह एक स्काईडाइविंग विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार पायलट और 11 स्काईडाइवर्स सहित कुल 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है।

कैसे हुआ हादसा?

यह दुखद घटना मिसौरी के बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट पर हुई। स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह लगभग 11:34 बजे, एक पैसिफिक एयरोस्पेस पी-750 विमान ने रनवे से उड़ान भरी थी। लोगों और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, टेक-ऑफ के तुरंत बाद ही विमान में कुछ तकनीकी खराबी नजर आने लगी और वह हवाई अड्डे के पास ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह स्थान कैनसस सिटी से लगभग 60 मील दक्षिण में स्थित बटलर शहर के पास है।

राहत और बचाव कार्य

विमान के क्रैश होने की सूचना मिलते ही मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल और बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव दल ने मलबे से शवों को निकालने का काम शुरू किया, लेकिन विमान की टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को बचाने का अवसर नहीं मिला। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से इस घटना की आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि हादसे में 12 लोगों की जान गई है।

मृतकों की पहचान और आधिकारिक पुष्टि

बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट के प्रवक्ता ने पीड़ितों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में कुल 12 लोग सवार थे। इनमें से 11 लोग स्काईडाइविंग के शौकीन थे, जो अपने साप्ताहिक साहसिक खेल के लिए एकत्रित हुए थे, जबकि एक विमान का मुख्य पायलट था। दुर्घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसे एक बड़ी मानवीय क्षति माना जा रहा है।

जांच के घेरे में तकनीकी कारण

अमेरिकी विमानन नियामक संघीय उड्डयन प्रशासन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने इस मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। एफएए की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, विमान ने जैसे ही प्रस्थान किया, वह कुछ ही दूरी पर क्रैश हो गया। अब एनटीएसबी ने जांच की पूरी कमान संभाल ली है। विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या विमान में कोई यांत्रिक खराबी थी या यह मानवीय त्रुटि का परिणाम था। आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट के आधार पर हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा।

दैनिक ठाणे, मंगलवार 16 जून, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर

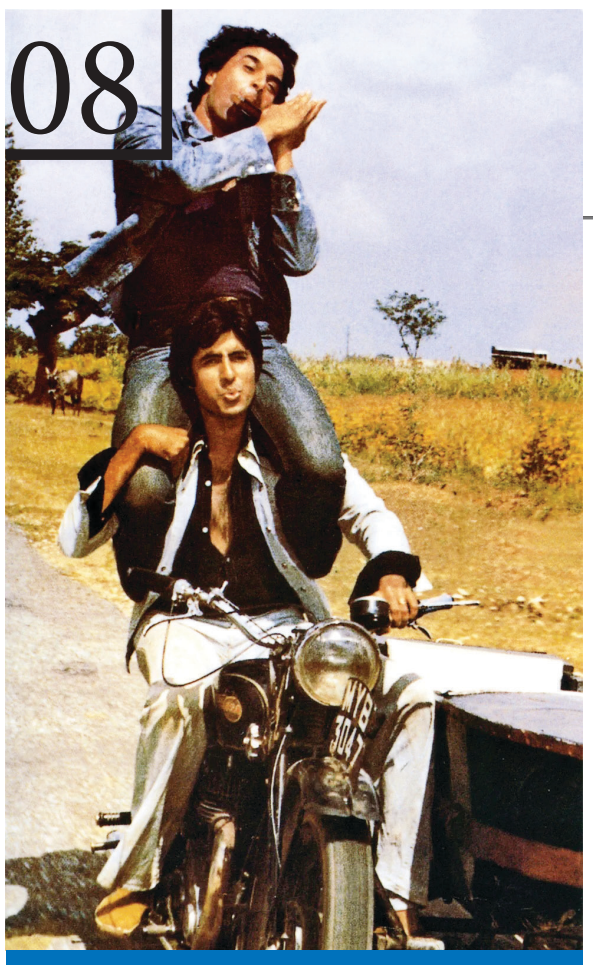

इन 9 फिल्मों में भी हिट रही अमिताभ और धर्मेंद्र की जोड़ी

भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन की जोड़ी हिट थी। पर्दे पर जब भी दोनों साथ आते थे बवाल मच जाता था। अमिताभ और धर्मेंद्र ने बॉक्स ऑफिस ऐसा कमाल दिखाया कि वो जिस फिल्म में काम करते ये माना जाता कि फिल्म हिट होनी ही है। आज हम अमिताभ और धर्मेंद्र की उन फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें दोनों ने एक साथ काम किया।

शोले : कलाकार : धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, हेमा मालिनी, जया भादुड़ी, अमजद खान IMDB रेटिंग : 8.1/10 **निर्देशक :** रमेश सिप्पी **कहां देखें :** प्राइम वीडियो साल 1975 में आई फिल्म शोले अमिताभ और धर्मेंद्र के करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई थी। शोले के जय और वीरू की ये जोड़ी इतनी कल्ट क्लासिक थी कि आज के समय जिगरी दोस्ती की मिसाल बन चुकी हैं। ये एक्शन फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

चुपके चुपके : कलाकार : अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, शर्मिला टैगोर, जया बच्चन, ओम प्रकाश, असरानी, लिली चक्रवर्ती, उषा किरण, डेविड अब्राहम चेउलकर, केष्टो मुखर्जी IMDB रेटिंग : 8.3/10 **निर्देशक :** हृषिकेश मुखर्जी **कहां देखें :** प्राइम वीडियो इसी साल यानी 1975 इस जोड़ी की एक और फिल्म 'चुपके चुपके' आई थी। ये कॉमेडी मूवी बंगाली फिल्म छद्मबेशी की रीमेक है। फिल्म के कुछ गाने, जैसे 'अब के सजन सावन में' और 'सा रे गा मा', चार्ट्स में टॉप पर रहे। संगीत एसडी बर्मन ने दिया था और गीत आनंद बख्शी ने लिखे थे।

राम बलराम : कलाकार : धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, जीनत अमान, रेखा, अजीत, अमजद खान, प्रेम चोपड़ा, सुजीत कुमार IMDB रेटिंग : 6.2/10 **निर्देशक :** विजय आनंद **कहां देखें :** यूट्यूब अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की फिल्मों की इस लिस्ट में अगली फिल्म 1980 में आई 'राम बलराम' है। विजय आनंद द्वारा निर्देशित यह एक्शन थ्रिलर दो भाइयों की कहानी बयां करती है, जिनका पालन-पोषण उनके चाचा ने किया था, जिसने उनके माता-पिता की हत्या कर दी थी।

हम कौन हैं? : कलाकार : धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, जीनत अमान, रेखा, अजीत, अमजद खान, प्रेम चोपड़ा, सुजीत कुमार IMDB रेटिंग : 6.2/10 **निर्देशक :** विजय आनंद **कहां देखें :** यूट्यूब अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की फिल्मों की इस लिस्ट में अगली फिल्म 1980 में आई 'राम बलराम' है। विजय आनंद द्वारा निर्देशित यह एक्शन थ्रिलर दो भाइयों की कहानी बयां करती है, जिनका पालन-पोषण उनके चाचा ने किया था, जिसने उनके माता-पिता की हत्या कर दी थी।

गुड्डी : कलाकार : धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, जया भादुड़ी, उत्पल दत्त, समित भांजा, एके हंगल, असरानी, केष्टो मुखर्जी IMDB रेटिंग : 7.2/10 **निर्देशक :** हृषिकेश मुखर्जी **कहां देखें :** प्राइम वीडियो, सोनी लिव गुड्डी अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की एक फिल्म है जिसमें दोनों सितारे थोड़े समय के लिए एक साथ स्क्रीन शेयर करते हैं। यह फिल्म अभिनेत्री जया बच्चन के लिए जीवन बदलने वाली साबित हुई। बिग बी के अलावा मूवी में राजेश खन्ना, नवीन निश्चल, विनोद खन्ना, प्राण और ओम प्रकाश सहित कई मशहूर बॉलीवुड सितारों ने भी फिल्म में कैमियो रोल में नजर आए थे।

चरणदास : कलाकार : अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, ओम प्रकाश, लक्ष्मी, विक्रम मकंदर, उर्मिला भट्ट, सुनील दत्त, मनोरमा, फरीदा जलाल, राज मेहरा IMDB रेटिंग : 5.3/10 **निर्देशक :** बीएस थापा **कहां देखें :** यूट्यूब यह अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र ने साल 1977 में चरणदास एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसमें दोनों ने कव्वाली गायकों के रूप में विशेष भूमिका निभाई है। कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने जीवन और संघर्षों से जूझता है। आशा भोसले द्वारा गाया गया गीत 'दिल की लगी ऐसी लगी' और मुकेश द्वारा गाया गया गीत 'ओ मैया मोरी मैं नहीं माखन' आज भी यादगार हैं।

दोस्त : कलाकार : धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, शत्रुघ्न सिन्हा, असित सेन, रहमान IMDB रेटिंग : 6.9/10 **निर्देशक :** दुलल गुहा **कहां देखें :** यूट्यूब अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र अभिनीत इस फिल्म में बिग बी ने आनंद के किरदार में कैमियो रोल में थे। फिल्म का संगीत लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने दिया है।

जादूगर : इस रहस्यमयी हॉरर फिल्म में धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन ने वीरेंद्र और फ्रैंक जेम्स की भूमिकाएं निभाई है। इस फिल्म की कहानी एक महिला सैंड्रा (डिंपल कपाड़िया) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने बच्चों के साथ एक सुनसान हवेली में रहती है।

दिल्लगी : दिल्लगी फिल्म में अमिताभ बच्चन का रोल छोटा था, लेकिन धर्मेंद्र के साथ उनकी ऑनस्क्रीन मौजूदगी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। धर्मेंद्र एक प्रोफेसर की भूमिका में नजर आए, जो अपनी सादगी और गंभीरता के साथ रोमांटिक अंदाज भी दिखाते हैं।

आलिया की 'ऐल्फा' बनी चर्चा का केंद्र

यश राज फिल्म्स (YRF) की आने वाली फिल्म 'ऐल्फा' रिलीज से पहले ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। आलिया भट्ट और शर्वरी स्टारर यह फिल्म सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक चर्चा का केंद्र बन गई है। इसे RF स्पाई यूनिवर्स का अब तक का सबसे साहसी और अलग प्रयोग माना जा रहा है।

पहली महिला-केंद्रित स्पाई थ्रिलर

'ऐल्फा' को RF स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान स्पाई एक्शन थ्रिलर बताया जा रहा है। टीजर रिलीज के बाद दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बहस दोनों बढ़ गई हैं। जहां कुछ लोग इसे बॉलीवुड के लिए सकारात्मक बदलाव मान रहे हैं, वहीं कुछ इसके बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

आलिया भट्ट और शर्वरी का दमदार अवतार

फिल्म में आलिया भट्ट एक खतरनाक असैसिन के किरदार में नजर आने वाली हैं, जो उनके करियर के लिए एक नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। वहीं शर्वरी भी इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। टीजर में दोनों का एक्शन अवतार दर्शकों को काफी प्रभावित कर चुका है।

3 जुलाई को होगा असली फैसला

फिल्म के प्रति बनी जबरदस्त चर्चा के बीच अब सभी की निगाहें इसकी रिलीज पर टिकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 'ऐल्फा' सफल होती है, तो यह बॉलीवुड में महिला-प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए नए रास्ते खोल सकती है। फिल्म 3 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

RF स्पाई यूनिवर्स का नया अध्याय

अब तक इस स्पाई यूनिवर्स में टाइगर, पठान और कबीर जैसे पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है। 'ऐल्फा' इस फ्रेंचाइजी को नए नजरिए और महिला केंद्रित कहानी के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश है। यह फिल्म इस यूनिवर्स के विस्तार का एक महत्वपूर्ण अध्याय मानी जा रही है।

करियर की शुरुआत में माधुरी को भी सुनने पड़े थे ताने

इन दिनों अपनी अपनी नई फिल्म मां-बहन को लेकर चर्चा में हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस डार्क कॉमेडी फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म में तृप्ती डिमरी भी अहम भूमिका में नजर आई हैं। इसकी कहानी समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जहां महिलाओं को उनके कपड़ों, पसंद और व्यक्तित्व के आधार पर जज किया जाता है।

■ इसी विषय पर बात करते हुए माधुरी ने खुलासा किया कि वह भी अपने करियर के शुरूआती दिनों में बॉडी शेमिंग का सामना कर चुकी हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि 80 के दशक में उन्होंने इंडस्ट्री में अपना पहला कदम रखा था, तब लोग उन्हें बेहद दुबला-पतला मानते थे और अक्सर चाहते थे, इसे कुछ खिलाओ-पिलाओ। माधुरी ने बताया कि पब्लिक फिगर होने के नाते लोगों की राय और आलोचनाओं से बच पाना मुश्किल होता है। उनके मुताबिक, लोगों को किसी के वजन या लुक्स पर टिप्पणी करने में बिल्कुल देर नहीं लगती। अगर कोई थोड़ा मोटा हो जाए तो भी उसे जज किया जाता है और अगर कई पहला हो तो भी लोग ताने देने लगते है।

■ उन्होंने यह भी कहा कि उस दौर में इन बातों से निपटना कुछ हद तक आसान था क्योंकि तब सोशल मीडिया और ऑनलाइन ट्रोलिंग का दबाव नहीं था। लोग तब भी जज करते थे, लेकिन उनकी बातें इतनी तेजी से सबके सामने नहीं आती थीं। माधुरी के अनुसार आज के समय में सोशल मीडिया ने इस तरह की टिप्पणियों को और बढ़ा दिया है क्योंकि लोग अपनी पहचान छिपाकर कुछ भी कह देते हैं। ऐसे में सबसे जरुरी है कि व्यक्ति अपने काम, अपने जूनून और अपनी खुशियों पर ध्यान दे। उन्होंने लोगों को संदेश देते हुए कहा कि सबसे पहले खुद से प्यार करना सीखना चाहिए, क्योंकि सेल्फ-लव ही ऐसी नकारात्मक बातों से निपटने का सबसे मजबूत तरीका है।

दीप्ति ने रचा इतिहास

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 विकेट लेने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं

भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए विमेंस टी-20 विश्व कप 2026 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। दीप्ति ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 10 रन देकर पांच विकेट झटके और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके इस प्रदर्शन के दम पर भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराकर टूर्नामेंट में दमदार जीत दर्ज की। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

350 विकेट का ऐतिहासिक आंकड़ा पार

पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट लेने के साथ ही दीप्ति शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 विकेट का आंकड़ा छूने वाली दूसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उनके नाम अब भारत के लिए कुल 354 अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हो चुके हैं। महिला क्रिकेट में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 355 विकेट हासिल किए थे। दीप्ति अब इस रिकॉर्ड से केवल एक विकेट दूर हैं।

भारत के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाली महिला खिलाड़ी

झूलन गोस्वामी - 355 विकेट
दीप्ति शर्मा - 354 विकेट
कैथरीन शीवर-ब्रंट (इंग्लैंड) - 335 विकेट
एलिस पेरी (ऑस्ट्रेलिया) - 332 विकेट
सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड) - 327 विकेट

भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से हराया

एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से बल्लेबाजी में भी दीप्ति शर्मा ने योगदान दिया। उन्होंने 9 गेंदों में 12 रन की नाबाद पारी खेली और ऋचा घोष के साथ छठे विकेट के लिए 21 गेंदों में 45 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई।

मुझे आईसीसी टूर्नामेंट खेलना पसंद है

मैच के बाद 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार मिलने पर दीप्ति शर्मा ने कहा कि मैं बहुत आभारी हूं। मुझे इस तरह की पिचें पसंद हैं और इसका पूरा श्रेय टीम को जाता है। मुझे आईसीसी टूर्नामेंट खेलना हमेशा पसंद रहा है। मुझे लगता है कि मेरी शुरूआत भी ऐसे ही बड़े मंच से हुई थी, इसलिए ये टूर्नामेंट मेरे लिए खास हैं।

गेंदबाजी की रणनीति का किया खुलासा

दीप्ति ने अपनी गेंदबाजी को लेकर कहा कि पिच पर गेंद टर्न हो रही थी, इसलिए मैंने हर ओवर में अपनी गति में बदलाव किया। मैंने हवा में थोड़ी धीमी गेंदें डालने और सही लाइन-लेंथ पर फोकस करने की कोशिश की। यही रणनीति मेरे लिए कारगर साबित हुई।

फैंस के समर्थन से उत्साहित दिखीं दीप्ति

इस मुकाबले को देखने एजबेस्टन स्टेडियम में 18,814 दर्शक पहुंचे थे। फैंस के समर्थन पर दीप्ति ने कहा कि स्टेडियम में जबरदस्त माहौल था। बड़ी संख्या में भारतीय समर्थक टीम का उत्साह बढ़ाने आए थे। हम चाहते हैं कि महिला क्रिकेट को इसी तरह लगातार समर्थन मिलता रहे। उन्होंने स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर की साझेदारी को मैच का टर्निंग प्वाइंट बताते हुए कहा कि इसी साझेदारी ने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

खुद पर भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताकत

दीप्ति ने आगे कहा कि जब मुझे विकेट नहीं मिल रहे थे तब भी मैं परेशान नहीं थी। मुझे हमेशा खुद पर भरोसा रहता है कि सही समय आने पर मैं टीम के लिए योगदान दूंगी। यही सोच मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

शिकागो की सड़कों पर सैर करती नजर आईं मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर चर्चा में हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ठीक ठाक कमाई कर रही है। इस बीच मृणाल ठाकुर शिकागो की सैर पर गई हैं। यहां से उन्होंने अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं।

शिकागो की सड़कों पर मृणाल

मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने शिकागो की सड़कों पर पोज दिए हैं। अलग-अलग आउटफिट भी पहने हैं। यही नहीं उन्होंने यहां से वर्कआउट करते हुए भी तस्वीर शेयर की है। तस्वीरें शेयर करते हुए मृणाल ठाकुर ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि बैग पैक कर रही हूं और इस शहर को गुड बाय कह रही हूं। ये वाकई जानलेवा है। उन्होंने रोने वाला और दिल टूटने वाला इमोजी भी लगाया है।

कौन हैं फिल्म के निर्देशक?

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 5 जून को रिलीज हुई है। इसके निर्देशक डेविड धवन हैं। इसे टिप्स फिल्म्स और मैक्सिमिलियन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म की स्टारकास्ट

इसमें मृणाल ठाकुर के अलावा वरुण धवन और पूजा हेगड़े अहम किरदारों में हैं। मुख्य कलाकारों के अलावा इसमें सहायक कलाकारों में मौनी रॉय, चंकी पांडे, राकेश बेदी, कुब्रा सैत और अन्य शामिल हैं।

निक्की तंबोली का बोल्ड साड़ी लुक

रियलिटी शो 'बिग बॉस' से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली और अपने बोल्ड फैशन स्टेटमेंट के लिए मशहूर निक्की तंबोली एक बार फिर सुर्खियों में हैं। निक्की सोशल मीडिया पर अपने हुस्न का जलवा बिखेरने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। इस बार निक्की ने वाइन-पर्पल रंग के मॉडर्न एथनिक आउटफिट में बोल्डनेस और ग्लैमर का ऐसा तड़का लगाया है कि देखने वालों के पसीने छूट गए हैं। निक्की तंबोली के इस लुक की सबसे ज्यादा चर्चा उनकी रिवीलिंग और ग्लैमरस ड्रेस की हो रही है।

■ निक्की ने एक ट्रेडिशनल साड़ी को बेहद मॉडर्न और सिजलिंग ट्विस्ट दिया है। उन्होंने वाइन-पर्पल शेड की प्री-ड्रैप्ड सैटिन साड़ी पहनी है, जो नीचे से स्कर्ट स्टाइल में उनके परफेक्ट टोंड फिगर और बॉडी कर्व्स को बखूबी फ्लॉन्ट कर रही है। इस आउटफिट का सबसे बोल्ड हिस्सा उनका हैवी एम्बेलिश्ड कोर्सेट ब्लाउज है। ब्लाउज पर बेहद चमकीली और बारीक कढ़ाई की गई है। ब्लाउज की प्लंजिंग डीप नेकलाइन और ऑफ-शोल्डर शीयर नेट स्लीव्स निक्की के क्लीवेज को बेहद हॉट अंदाज में शोकेस कर रहे हैं।

■ निक्की तंबोली अपनी तस्वीरों में सिर्फ कपड़ों से ही नहीं, बल्कि अपने कातिलाना एक्सप्रेशंस से भी बिजली गिराना जानती हैं। इस फोटोशूट की हर एक तस्वीर में उनका कॉन्फिडेंस और बोल्डनेस साफ झलक रही है। निक्की ने इस हैवी और बोल्ड आउटफिट के साथ एक्सेसरीज का चुनाव भी बेहद रॉयल रखा है। उन्होंने गले में वाइट डायमंड और पिंक रूबी स्टोन्स से बना एक हैवी फ्लोरल चोकर नेकलेस पहना है। उन्होंने मैचिंग इयररिंग्स, ब्रेसलेट और उंगलियों में बड़ी सी रूबी रिंग कैरी की है। मेकअप की बात करें तो निक्की ने 'ड्यूई और ग्लॉसी' मेकअप चुना है। फ्लॉलेस शाइनी बेस के साथ उन्होंने अपनी आंखों को स्मोकी टच दिया है, आईब्रोज को परफेक्टली डिफाइन किया है और होंठों पर न्यूड-पिंक ग्लॉसी लिपस्टिक लगाई है।

आईपीएल में तूफान मचाने के बाद कमजोर पड़ गए वैभव सूर्यवंशी

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से धमाल मचाया। वह आईपीएल-2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे और इसी कारण भारत की टी-20 टीम में उन्हें जगह मिली। लेकिन 15 साल के इस युवा बल्लेबाज के लिए टी-20 से वनडे फॉर्मेट में शिफ्ट करना मुश्किल दिख रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि श्रीलंका दौरे पर इंडिया-ए टीम के साथ गए वैभव 50 ओवरों के प्रारूप में वो कमाल नहीं दिखा पाए जिसकी उम्मीद उनसे की जा रही थी। तीसरे वनडे में भी वैभव का बल्ला नहीं चला और वह फेल हो गए।

तीन मैचों में नहीं दिखा रंग

वैभव ने इंडिया-ए के साथ श्रीलंका दौरे पर तीन मैच खेले हैं और तीनों में ही वह फेल रहे हैं। श्रीलंका-ए के खिलाफ उन्होंने पहले मैच में 14 रन बनाए। अफगानिस्तान-ए के खिलाफ उन्होंने अपने तूफानी अंदाज की झलक दिखाई और 44 रन ठोके, लेकिन इसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। सोमवार को श्रीलंका-ए के खिलाफ वह 14 गेंदों पर 21 रन ही बना पाए। इस दौरान सबसे बड़ी समस्या जो वैभव में दिखी वो टी-20 से वनडे में शिफ्ट करना रही। वह वनडे में भी उसी अंदाज और उसी सोच के साथ खेलते हुए दिखे जिस तरह से टी-20 में दिखाई दे रहे थे। खेल की परिपक्वता यही है कि खिलाड़ी इस बात को पहचाने कि वह किस प्रारूप में खेल रहा है। ऐसे में उसे अपने स्वाभाविक खेल को नजरअंदाज नहीं करना होता बस कुछ बदलाव करने होते हैं ताकि लंबी पारी खेली जा सके। वैभव को अपने खेल में यही परिपक्वता को जाहिर करना होगा और सीखना होगा कि बड़े मंच पर कैसे बदलते फॉर्मेट के साथ अपनी सोच में बदलाव किया जाता है और किस एप्रोच के साथ उतरा जाता है। वैभव के पास समय की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें ये बात ध्यान में रखनी होगी कि वह समय का सदुपयोग करें और लगातार अपने खेल में सुधार करें। उन्हें भारत की टी-20 टीम में मौका मिला है जहां वह एक से एक खिलाड़ियों से मिलेंगे और सीखेंगे। उन पर सभी की नजरें और सभी को उनमें भारत का भविष्य दिखता है। जरूरत है तो अपने घर को लगातार सुधारने और समझने की।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि : 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक :** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेंट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक :** शिवप्रताप